हिन्दी दैनिक

आर.एन.आई.नं.:-UPHIN/2005/16132

उपभोक्ता की दुनिया

श्रावस्ती से प्रकाशित

वर्ष : 21 अंक : 15 | श्रावस्ती, शनिवार 21 जून 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1 रूपया

बिहार में जंगलराज लाने वाले लोग एक बार फिर मौके की तलाश में : नरेंद्र मोदी

सीवान (एजेन्सी) बिहार विधानसभा चुनाव में अब सिर्फ चार महीने बचे हैं, और इसी के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक बार फिर राज्य का दौरा किया। उन्होंने सीवान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार की धरती की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, सीवान की धरती केवल ऐतिहासिक नहीं, बल्कि संविधान को मजबूती देने वाली और स्वतंत्रता संग्राम की अहम गवाह रही है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार आज हर क्षेत्र में तेजी से तरक्की कर रहा है। पीएम मोदी ने अपने हालिया विदेश दौरे का जिक्र करते हुए कहा, मैं कल ही विदेश यात्रा से लौटा हूं और वहां कई विकसित देशों के नेताओं से बातचीत हुई। वे सभी भारत की रफ्तार से प्रभावित हैं। दुनिया भारत को तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक शक्ति के रूप में देख रही है। इस बदलाव में बिहार की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि "जंगलराज लाने वाले लोग एक बार फिर मौके की तलाश में हैं और तरह–तरह के तरीके अपना रहे हैं।" उन्होंने बिहार की जनता से अपील करते हुए कहा कि "मेरे प्यारे भाइयों और बहनों, अपने और अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए आपको सतर्क रहना होगा। प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि "जिस बिहार ने सदियों तक देश को नेतृत्व दिया, उसी बिहार को पंजा और लालटेन वालों ने पलायन की धरती बना दिया था। उन्होंने राज्य के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाई है।" उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि "हर चुनाव में ये लोग आते थे और कहते थे गरीबी हटाओ, लेकिन गरीबी हटाने की जगह गरीबी और बढ़ती गई।" पीएम मोदी ने कहा कि जब से जनता ने एनडीए को सत्ता सौंपी है, तब से बदलाव देखने को मिल रहा है। "आज देश के 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं, और यह पूरे विश्व में सराहा जा रहा है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री हेलीकॉप्टर से सीवान के जसौली गांव पहुंचे। वहां से वह खुले वाहन में रोड शो करते हुए सभा स्थल तक पहुंचे। उनके साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने बिहार दौरे के दौरान राज्यवासियों को कुल 5736 करोड़ रुपये की 22 बड़ी विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 53,666 लाभार्थियों को पहली किस्त के रूप में सीधे उनके बैंक खातों में 536 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर की। इसके साथ ही 6684 शहरी गरीब परिवारों को पक्के घरों की चाबियां भी सौंपी गईं, जिससे उनका सपना अब साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 11 नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जबकि नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत 4 परियोजनाओं का भी शिलान्यास किया गया। इन योजनाओं पर कुल 2997 करोड़ रुपये का खर्च प्रस्तावित है।

बिहार चुनाव में हुई गंगा की एंट्री

पटना (एजेन्सी)। बिहार चुवान की बिगुल इस समय बजता हुआ सुनाई दे रहा है। इस बार मुद्दा बनाया जा रहा है गंगा नहीं की सफाई को लेकर। अभी बिहार में पीएम मोदी ने रैली करके जहां विपक्ष पर ताबड़ तोड़ जबानी हमले किए है वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस से भी केंद्र सरकार और नीतिश कुमार पर हमला किया है। कांग्रेस ने शुक्रवार को दावा किया कि केंद्र और बिहार सरकार ने राज्य में गंगा नदी की हालत ऐसी कर दी है कि उसका पानी न तो पीने योग्य है और न ही नहाने योग्य। बिहार में सासाराम सीट से पार्टी सांसद मनोज कुमार ने यह भी कहा कि 'नमामि गंगे' योजना के तहत गंगा नदी का पानी शुद्द करने के जो भी वादे किए गए थे, वे 'झूठे' निकले। कुमार ने संवाददाताओं से कहा, "नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार ने न तो–बाढ़ नियंत्रण की ओर कदम बढ़ाया और न ही गंगा का पानी पीने योग्य बनाया। यहां तक कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने बिहार सरकार पर 50 हजार रुपए का जुर्माना तक लगाया।

सड़क हादसे में सब-इंस्पेक्टर की मौत

उन्नाव (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव के पास आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक पुलिस सब–इंस्पेक्टर की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। हादसा तब हुआ जब तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने चलती बस को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार सब–इंस्पेक्टर मंजीत सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सर्किल ऑफिसर अरविंद कुमार ने बताया कि अमेठी पुलिस की एक टीम लापता लड़की को लेकर लौट रही थी। कार में पुलिसकर्मी और लड़की के परिवार के लोग सवार थे। मृतक की पहचान लखनऊ निवासी सब इंस्पेक्टर मंजीत सिंह के रूप में हुई है। हेड कांस्टेबल प्रदीप तिवारी के सिर में चोट लगने से उन्हें कानपुर के हैलट अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

देह व्यापार के आरोप में महिला गिरफ्तार

मुंबई (एजेन्सी)। मुंबई पुलिस ने एक बड़े देह व्यापार गिरोह का पर्दाफाश किया है। मुंबई में काफी समय से देह व्यापार से जुड़ी कई वारदातें सामने आ रही है। अप पुलिस एकअशन में आ गयी है और देह व्यापार गिरोह की जड़े काटने पर उतारू हो गयी है।

पुलिस ने मिली सूचना के बाद एक प्लानिंग के तहत एक महिला को गिरफ्तार किया है। इस महिला के जरिए पुलिस पूरे गिरोह मुंबई पुलिस ने पश्चिमी उपनगर में स्थित एक रेस्टोरेंट पर छापेमारी कर एक महिला को देह व्यापार गिरोह संचालित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में एक नाबालिग लड़की समेत तीन महिलाओं को बचाया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, अपराध शाखा को गुप्त सूचना मिली थी,।

सोनिया गांधी को अस्पताल से छुट्टी मिली

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पेट से जुड़ी समस्या के उपचार के बाद शुक्रवार को सर गंगाराम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल ने यह जानकारी दी। बीते 15 जून को 78 वर्षीय सोनिया गांधी को इस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप के अनुसार, सोनिया गांधी की हालत अब स्थिर है।

उन्होंने कहा, "उन्हें छुट्टी दे दी गई है और अस्पताल से बाहर रहते हुए उनका उपचार जारी रहेगा। डॉ. एस नंदी और डॉ. अमिताभ यादव सहित सोनिया का उपचार करने वाले वरिष्ठ चिकित्सकों ने कहा कि उन पर इलाज का अच्छा असर हुआ है।

पैरों में...बाबा साहेब के अपमान पर लालू को मोदी ने बिहार आकर खूब सुनाया

पटना (एजेन्सी)। चुनावी साल में पीएम मोदी एक बार फिर बिहार के दौरे पर हैं जहां उन्होंने राज्य को 10 हजार करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात दी। इसके साथ ही पीएम मोदी के निशाने पर लापू यादव भी रहे। उन्होंने बाबा साहब के फोटो वाली घटना का जिक्र करते हुए राजद पर खूब निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस वाले कदम–कदम पर बाबा साहेब का अपमान करते हैं। अभी पूरे देश ने देखा है कि राजद वालों ने बाबा साहेब की तस्वीर के साथ क्या व्यवहार किया है।

राजद और कांग्रेस, बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीर को अपने पैरों में रखती है। जबकि मोदी, बाबा साहेब को अपने दिल में रखता है। पीएम मोदी उस घटना का जिक्र कर रहे थे जब 11 जून को लालू यादव के 78वें जन्म दिन के अवसर पर एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में लालू यादव कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं और उनके सामने एक दूसरी कुर्सी है जिस पर उन्होंने अपने पैर रखे हैं। उसी समय एक समर्थक अंबेडकर की तस्वीर लेकर आता है और पास में खड़ा होकर फोटो खिंचवाता है।

वीडियो के वायरल होते ही आरजेडी और लालू यादव को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि राजद–कांग्रेस की करतूतें और इनके कारनामे बिहार विरोधी हैं, निवेश विरोधी हैं। ये लोग बेहाल इंफ्रास्ट्रक्चर, माफियाराज, गुंडाराज और भ्रष्टाचार के पोषक रहे हैं। जंगलराज वालों ने तो बिहार का विकास इंजन ही ठप्प कर दिया था। लेकिन, अब बिहार में बना इंजन अफ्रीका की रेल चलाएगा।

रेपिस्ट को फांसी की सजा बदलकर 25 साल कारावास दिया,

एमपी हाईकोर्ट ने कहा–वह निरक्षर, अच्छी शिक्षा नहीं मिली, इसलिए अपराध किया

जबलपुर (एजेन्सी) मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने 4 साल की बच्ची के साथ रेप के दोषी को राहत दी है। हाईकोर्ट की जबलपुर बेंच ने उसकी फांसी की सजा को 25 साल की सजा में बदल दिया है। जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस देवनारायण मिश्रा की डिवीजन बेंच ने कहा, दोषी निरक्षर और आदिवासी है। बचपन में उसे अच्छी शिक्षा नहीं मिली, जिसके चलते उसने यह अपराध किया था। मामला खंडवा जिले में 30 और 31 अक्टूबर 2022 की दरमियानी रात का है। 4 साल की बच्ची अपने घर में सो रही थी। इसी दौरान परिजन उठे तो वह बिस्तर पर नहीं दिखी। तलाश करने पर बच्ची घर के पास बने आम के बगीचे में मरणासन्न हालत में मिली। खंडवा में प्राथमिक उपचार के बाद उसे इंदौर रेफर किया गया था। पुलिस ने आरोपी राजकुमार को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। अप्रैल 2023 में ट्रायल कोर्ट ने बच्ची के साथ रेप और हत्या के प्रयास के आरोप को सही पाते हुए उसे फांसी की सजा सुनाई थी। राजकुमार (20) खालवा का रहने वाला है। वह जसवाड़ी रोड पर राजपूत ढाबे में काम करता था। ढाबे के पीछे बने खेत में आदिवासी परिवार रहता था। घटना वाले दिन चार साल की बच्ची परिवार के साथ खेत में बनी झोपड़ी में सो रही थी। राजकुमार उसे उठाकर सुनसान इलाके में ले गया। रेप किया। इसके बाद हत्या की नीयत से बच्ची का गला घोंटा। बेहोश होने पर उसे मरा समझकर घर से डेढ़ किलोमीटर दूर झाड़ियों में फेंक दिया। उधर, परिजन की रिपोर्ट पर पुलिस ने बच्ची की तलाश शुरू की। अगली सुबह पुलिसकर्मी स्निफर डॉग के साथ परिवार की झोपड़ी पर पहुंचे। यहां डॉग राजपूत ढाबे पर जाकर रुक गया। पुलिस ने स्टाफ से पूछताछ की। पता लगा कि राजुकमार रात से गायब है। पुलिस का शक गहराया। राजकुमार के मोबाइल को सर्विलांस पर डाला गया। लोकेशन पता लगते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसने बताया कि रेप के बाद बच्ची को मारकर फेंक दिया है। पुलिस ने उसकी बताई लोकेशन से बच्ची को ढूंढ निकाला। सांसें चलती देख उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से इंदौर रेफर किया गया, जहां लंबे इलाज के बाद उसकी जान बच सकी।

राजस्थान से बरामद युवती को ला रहे दरोगा की सड़क हादसे में मौत, ६ अन्य घायल

उन्नाव (एजेन्सी) जिले में शुक्रवार सुबह आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें यूपी पुलिस के दरोगा मनजीत सिंह (38) की मौके पर मौत हो गई। यह हादसा बांगरमऊ थाना क्षेत्र में उस समय हुआ, जब दरोगा एक अर्टिगा कार से टीम के साथ गुमशुदा युवती को राजस्थान से बरामद कर अमेठी लौट रहे थे। कार एक प्राइवेट बस में पीछे से बुरी तरह जा टकराई। घटना सुबह करीब 6 बजे की है। कार की रफ्तार 100 किमी प्रति घंटा से अधिक बताई जा रही है। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। अर्टिगा कार लगभग 9 फीट लंबी थी, जो पिचककर मात्र 6 फीट की रह गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के बाद चीख–पुकार मच गई। राहगीरों ने तत्काल मदद की, लेकिन दरोगा मनजीत सिंह कार की स्टेयरिंग और सीट के बीच बुरी तरह फंस चुके थे। उन्हें निकालने के लिए लोहे की रॉड से बोनट तोड़ना पड़ा। लेकिन तब तक उनकी जान जा चुकी थी। जानकारी के अनुसार, अमेठी पुलिस को तीन दिन पहले एक नाबालिग लड़की की गुमशुदगी की रिपोर्ट मिली थी। सर्विलांस की मदद से उसकी लोकेशन राजस्थान में ट्रेस हुई। इसके बाद दरोगा मनजीत सिंह और हेड कॉन्स्टेबल प्रदीप तिवारी के नेतृत्व में एक टीम युवती को बरामद करने के लिए रवाना हुई थी। गुरुवार को लड़की को सुरक्षित वापस लाया जा रहा था कि यह हादसा हो गया। हादसे में हेड कॉन्स्टेबल प्रदीप तिवारी, युवती और उसके परिजन समेत छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए बांगरमऊ सीएचसी में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। मृतक दरोगा मनजीत सिंह मूल रूप से लखनऊ के सर्वोदय नगर के रहने वाले थे। वे 2015 में यूपी पुलिस में भर्ती हुए थे और पिछले एक साल से अमेठी कोतवाली में तैनात थे। उनकी पहचान उनके पुलिस आईडी कार्ड से हुई। परिवार को घटना की सूचना दे दी गई है।

गृह मंत्री अमित शाह बोले- स्वास्थ्य क्षेत्र में पीएम मोदी ने किए बड़े सुधार

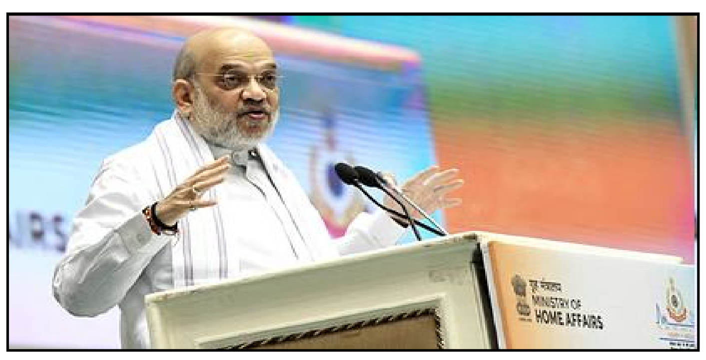

बंगलूरू (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व वाली सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने देश में स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को एक समग्र दृष्टिकोण से सुलझाया है। शाह बंगलूरू में आदिचुंचनगिरी विश्वविद्यालय के नए परिसर के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, हमारे नेता नरेंद्र मोदी ने कई साल पहले गुजरात में कहा था कि गरीबों की सबसे बड़ी समस्या बीमारी और उपचार पर खर्च है।

सरकार को गरीबों के उपचार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। आज मुझे गर्व है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने 60 करोड़ गरीबों को हर साल पांच लाख रुपये तक का मुफ्त उपचार करवाया है। शाह ने बताया कि मोदी सरकार ने स्वास्थ्य को लेकर कई पहलें शुरू की हैं, जिनमें 12 करोड़ घरों में शौचालय बनवाना, फिट इंडिया मूवमेंट, योग दिवस, मिशन इंद्रधनुष, पोषण अभियान, आयुष्मान भारत और भारतीय जनऔषधि परियोजना शामिल हैं। उन्होंने कहा, सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि एक नागरिक को मां के गर्भ में जन्म लेने से लेकर पूर्ण नागरिक बनने तक किसी बीमारी का सामना न करना पड़े और यदि वह बीमार होता है, तो उपचार महंगा न हो। गृह मंत्री ने यह भी बताया कि देश में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने के लिए बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। 2014 में देश में 7 एम्स थे, अब 23 एम्स हैं। मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 780 हो गई है। उन्होंने बताया, 2014 में 51,000 एमबीबीएस सीटें थीं, आज यह संख्या 1,18,000 हो गई है। पीजी सीटें 31,000 से बढ़कर 74,000 हो गई हैं। यानी हर साल देश में 1,18,000 एमबीबीएस डॉक्टर और 74,000 स्पेशलिस्ट डॉक्टर तैयार हो रहे हैं।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी, रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमन्ना और आदिचुंचनगिरी मठ के निर्मलानंदनाथ महास्वामीजी भी मौजूद थे। वहीं, आज केरल की उच्च शिक्षा मंत्री आर. बिंदु और सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने केंद्रीय गृह मंत्री शाह के कथित अंग्रेजी विरोधी बयान की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह एक श्संकीर्णश राजनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने इसे निंदनीय बताया।

आर. बिंदु ने कहा कि अंग्रेजी दुनिया की सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली भाषा है, चाहे वह आपसी संवाद हो या इंटरनेट पर संपर्क। उन्होंने कहा, यह विचार कि बच्चों को अंग्रेजी नहीं सीखनी चाहिए या यह शर्मिंदगी का कारण होगी, बच्चों की दुनिया को और सीमित कर देगा। भारत कोई अलग–थलग टापू नहीं है, इसलिए अंग्रेजी सीखना आज एक जरूरत बन गया है। अमित शाह ने कथित तौर पर कहा था कि जल्द ही भारत में अंग्रेजी बोलने वाले लोग शर्म महसूस करेंगे।

अवध असम एक्सप्रेस ने रेलवे ट्रॉली को उड़ाया, १ की मौत, ३ कर्मचारियों की हालत गंभीर

कटिहार (एजेन्सी) कटिहार में शुक्रवार को अवध असम एक्सप्रेस (15910) ट्रेन ने रेलवे ट्रॉली को टक्कर मार दी। हादसे में ट्रॉली पर काम कर रहे एक ट्रॉलीमैन की मौत हो गई है। इस हादसे में 3 गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा सोनपुर रेल डिवीजन की है। कटिहार बरौनी रेल खंड के काढागोला और सेमापुर के बीच महारानी गांव के पास हादसा हुआ है। ट्रेन बरौनी से कटिहार डाउन लाइन पर आ रही थी। बताया जा रहा है कि रेलवे ट्रॉली पर 4 कर्मचारी ट्रैक का काम देख रहे थे। तभी पीछे से अवध असम एक्सप्रेस आ गई। ट्रेन ने ट्रॉली को टक्कर मार दी।

हादसे के बाद ट्रेन कटिहार जंक्शन में एक घंटे से ज्यादा देर तक खड़ी रही। 3.20 में ट्रेन वहां से रवाना हुई। इसके बाद उसे रवाना कर दिया गया है। रेलवे ट्रॉली को ट्रैक से हटाया गया है। ट्रेन में सवार महिला यात्री लाडो देवी ने बताया हम ट्रेन की जनरल बोगी में सवार होकर कटिहार जंक्शन की ओर आ रहे थे। अचानक तेज झटका लगा और धीरे–धीरे ट्रेन रुक गई। काफी अफरा–तफरी मच गई। हम लोग जल्दी–जल्दी बोगी से बाहर आए तो पता चला कि सामने से आ रही ट्रॉली को ट्रेन ने जोरदार टक्कर मारी है। 4–5 लोग उस पर सवार थे।

3 लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। एक रेल कर्मी की मौत हो गई। घटनास्थल पर ट्रेन सवा घंटे खड़ी रही उसके बाद ट्रेन कटिहार के लिए खुली। हादसे की जानकारी लगते ही रेलवे के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद ट्रॉली के आगे का हिस्सा ट्रेन के इंजन में ही फंस गया। हादसा कैसे हुआ इसकी जांच की जा रही है। ट्रेन और ट्रॉली एक ट्रैक पर कैसे आ गए इसे लेकर अभी जानकारी सामने नहीं आई है।

ईरान ने अस्पताल और बच्चों के वार्ड पर हमला किया, नेतन्याहू ने हमले की निंदा की

तेल (एजेन्सी) अवीव इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायल के बीरशेबा स्थित सोरोका अस्पताल के दौरे के दौरान अस्पताल पर बैलिस्टिक मिसाइल हमला करने के लिए ईरान की निंदा की, जिसमें कई मरीज, डॉक्टर और कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। नेतन्याहू ने इसे नागरिकों पर एक जबरदस्त हमला बताते हुए इसकी आलोचना की और कहा कि जहां इजरायल ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों पर सटीक हमले कर रहा है, वहीं ईरान ने बच्चों के वार्ड वाले एक अस्पताल को निशाना बनाया है। गुरुवार को इजरायली प्रधानमंत्री के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, मैं यहां बीयर–शेवा के सोरोका अस्पताल में हूं, साथ में स्वास्थ्य मंत्री, उप मंत्री अल्मोग कोहेन, दक्षिण के निवासी, और साथ ही सोरोका अस्पताल के निदेशक भी हैं। हम यहां पूरा अंतर देख रहे हैं। हम परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों के लक्ष्यों पर सटीकता से हमला कर रहे हैं, और वे एक ऐसे अस्पताल पर हमला कर रहे हैं, जहां लोग उठकर भाग भी नहीं सकते। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिस जगह हमला हुआ, उसके पास ही बच्चों का वार्ड है। नेतन्याहू ने इसे लोकतंत्र और आतंकवादियों के बीच का अंतर बताया। उन्होंने कहा कि इजरायल खुद को बचाने के लिए कानूनी कार्रवाई कर रहा है, जबकि आतंकवादी सभी को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इससे आपको सब कुछ पता चल जाता है। इस बीच, इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने अपने ईरानी समकक्ष सईद अब्बास अरागची पर तीखा हमला किया, क्योंकि उन्होंने सोरोका अस्पताल में मिसाइल हमले को इजरायली सैन्य कमान, नियंत्रण और खुफिया मुख्यालय पर हमला बताया था। सार ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मैं कई अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों के साथ सोरोका अस्पताल में था। उन्होंने अपनी आंखों से देखा कि तुम्हारी सरकार ने एक नागरिक अस्पताल पर मिसाइल हमला किया, जिसमें यहूदी, मुस्लिम और ईसाई सभी का इलाज होता है। कोई भी झूठी जानकारी या नकली नक्शे सच्चाई नहीं बदल सकते। आपकी बर्बरता दुनिया के सामने उजागर हो गई है। अरागची ने गुरुवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, आज सुबह, हमारे शक्तिशाली सशस्त्र बलों ने एक इजरायली सैन्य कमान, नियंत्रण और खुफिया मुख्यालय और एक अन्य महत्वपूर्ण लक्ष्य को सटीक रूप से नष्ट कर दिया। विस्फोट की लहर ने पास के एक छोटे से हिस्से को सतही नुकसान पहुंचाया, और बड़े पैमाने पर खाली कराये गए सोरोका सैन्य अस्पताल को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने दावा किया कि इस सुविधा का उपयोग मुख्य रूप से 25 मील दूर गाजा में नरसंहार में शामिल इजरायली सैनिकों के इलाज के लिए किया जाता है, जहां इजरायल ने 94 प्रतिशत फिलिस्तीनी अस्पतालों को नष्ट या क्षतिग्रस्त कर दिया है।गुरुवार को अस्पताल में ईरानी मिसाइल हमले के बाद नेतन्याहू ने तेहरान में आतंकवादी तानाशाहों के खिलाफ उग्र प्रतिक्रिया की कसम खाई।

सम्पादकीय

सैन्य कार्रवाई पर सस्ती राजनीति, विपक्ष की गलतफहमी और गलत बयानबाजी

वर्ष 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध में भारत की जीत का श्रेय आंध्र के एक कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को दुर्गा की उपाधि देकर दिया था, पर आज आपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय विपक्षी दल खासकर कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी को देने से कतरा रही है। कांग्रेस का यह रवैया पुराना है। 2019 में पुलवामा हमले के जवाब में बालाकोट एयर स्ट्राइक पर तब कांग्रेस अध्यक्ष रहे राहुल गांधी ने कहा था, 'इसके लिए मैं वायुसेना के पायलटों को सलाम करता हूं।' क्या ऐसा कुछ है कि 1971 में युद्ध शुरू करने का आदेश तो प्रधानमंत्री देती थीं, पर 2019 में और अब ऐसे फैसले सेना स्वतः लेने लगी है? चूंकि जनता सब जानती है, इसलिए लगता नहीं कि कांग्रेस के कहे का उस पर कोई प्रभाव पड़ेगा। 2019 में कांग्रेस नेतृत्व यह दर्शाना चाहता था कि एयर स्ट्राइक का निर्णय वायुसेना ने खुद लिया, जबकि यह जगजाहिर है कि सेना चुनी हुई सरकार के अधीन कार्य करती है। वह खुद से सीमा पार कार्रवाई नहीं करती। इसके लिए उसे सरकार आदेश देती है। इस पर हैरानी नहीं कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 2014 की अपेक्षा अधिक सीटें मिलीं। सामरिक महत्व के मामलों पर कैसी सस्ती राजनीति होती है, इसका परिचय बीते दिनों दिनों बंगाल विधानसभा में पहलगाम आतंकी हमले और फिर उसके जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई से संबंधित प्रस्ताव से भी मिला। उसमें सैन्य कार्रवाई के लिए सेना की प्रशंसा करते हुए उसे धन्यवाद दिया गया, पर उसमें आपरेशन सिंदूर का उल्लेख नहीं किया गया। बांग्लादेश युद्ध में विजय के बाद इंदिरा गांधी ने उसका चुनावी लाभ किस तरह उठाया था, इसके प्रमाण मीडिया रिपोर्ट में दर्ज हैं। 1972 के प्रारंभ में कुछ विधानसभाओं के चुनाव होने वाले थे। तब चुनाव घोषणा पत्र में कांग्रेस ने यह बात छिपाने की कोशिश नहीं की कि 'भारत–पाकिस्तान युद्ध में भारत की जीत इंदिरा गांधी के सफल नेतृत्व का प्रतीक है और उनका हाथ मजबूत करने के लिए विभिन्न प्रदेशों में कांग्रेस की ही सरकार होनी चाहिए। मजबूत केंद्र सरकार होने के कारण ही विदेशी आक्रमण का मुंहतोड़ जवाब दिया जा सका। अब गरीबी खत्म करने के लिए केंद्र और राज्यों का तालमेल होना आवश्यक है।' (दिनमान–5 मार्च, 1972)। इतना ही नहीं, इंदिरा गांधी ने मतदाताओं के नाम एक चिट्ठी भी कई भाषाओं में जारी की। उसे चुनावी राज्यों में घर–घर पहुंचाया गया। उसमें इस पर जोर दिया गया था कि 'देशवासियों की एकता और उच्च आदर्शों के प्रति इंदिरा जी की निष्ठा ने हमें युद्ध जिताया। अब उसी लगन से हमें गरीबी हटानी है। इसके लिए प्रदेशों में हमें ऐसी सरकारों की जरूरत है, जिनका केंद्र से बढ़िया तालमेल हो।' चूंकि 1974 तक 1971 की जीत का यश जनता के दिल और दिमाग में नहीं रहता, इसलिए इंदिरा ने बिहार और उत्तर प्रदेश विधानसभाओं के चुनाव दो साल पहले ही करवा दिए थे। इन दोनों राज्यों में चुनाव 1974 में तय थे। हालांकि उत्तर प्रदेश कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्ष राजेंद्र कुमारी वाजपेयी ने इंदिरा के रुख के विपरीत सार्वजनिक रूप से कहा था, 'चुनाव आवश्यक प्रतीत नहीं होता।' पूर्ण बहुमत की सरकार चला रहे मुख्यमंत्री कमलापति त्रिपाठी ने भी समय पूर्व चुनाव का विरोध किया, पर इंदिरा गांधी ने कांग्रेस के प्रादेशिक नेतृत्व की न सुनी। ऐसा ही उन्होंने बिहार में भी किया, जहां भोला पासवान शास्त्री की सरकार चल रही थी। इसमें दोराय नहीं कि 1971 में इंदिरा गांधी ने सही समय पर साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की थी। इस कारण आमजन की भावना उनके साथ थी। यदि उन्होंने चुनावी लाभ लेने के लिए अतिरिक्त प्रयास न किया होता तो भी उन्हें उसका लाभ मिलता, पर लगता है उन्हें धैर्य नहीं था। आपरेशन सिंदूर के बाद देश की आम भावना सेना के साथ–साथ मोदी सरकार के पक्ष में है। किसी भावी चुनाव में उसका लाभ भाजपा–राजग को मिलने की संभावना है, पर कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दल ऐसी ओछी बयानबाजी कर रहे हैं, जिससे उनकी साख खराब हो रही है। उनके इस रवैये से देश के बाहर यह संदेश भी जा रहा कि ऐसे नाजुक मौके पर भारत में एकता नहीं है। प्रतिपक्ष को यह गलतफहमी है कि उसकी बयानबाजी से आम लोग मोदी को श्रेय देना बंद कर देंगे।

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में स्थापित करना जरूरी

जीएन वाजपेयी

आपरेशन सिंदूर की सफलता का अलग–अलग पहलुओं से विश्लेषण जारी है। इस सैन्य अभियान की सफलता ने मुख्य रूप से तीन सराहनीय पहलुओं को रेखांकित करने का काम किया। पहला भारत सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, जिसने पहलगाम में आतंकवादियों के कायरतापूर्ण, बर्बर और शर्मनाक कृत्य के जवाब में एक अपेक्षित एवं प्रभावी कार्रवाई को सुनिश्चित किया। दूसरा, स्वदेश विकसित एवं निर्मित हथियार प्रणालियों की सफलता और हमारे सशस्त्र बलों का अद्वितीय साहस। तीसरा, देश के सभी वर्गों, जाति, पंथ के लोगों ने राजनीतिक विचारधारा से परे जाकर हमारे सैनिकों की वीरता के समर्थन और प्रशंसा में एकजुटता का प्रदर्शन किया। इस सफलता में गर्व की अनुभूति और ज्यादा बढ़ गई, क्योंकि स्वदेश निर्मित रक्षा प्रणालियों ने अपनी उपयोगिता साबित की। इसने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की गति को और तेजी देने की आवश्यकता को दर्शाया है। इसके लिए हमें आर्थिक रूप से सक्षम बनना होगा। यहां यह न भूला जाए कि कुछ देश अपने आर्थिक रुतबे को ही ताकत बनाकर न केवल पड़ोसियों, बल्कि दुनिया भर को धौंस दिखाने का काम करते हैं। यहां तक कि वे नैरेटिव पर भी नियंत्रण रखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद और आतंकवादियों को जड़ से मिटाने का एलान किया है। निःसंदेह राजनीतिक संकल्पशक्ति और हमारे सैन्य बलों का पराक्रम तात्कालिक रूप से इस चुनौती से निपटने में सक्षम हैं, ।

लेकिन इसका दीर्घकालिक उपाय आर्थिक मजबूती से ही जुड़ा है कि हमें परेशान करने की मंशा रखने वालों के मन में यह भय व्याप्त हो कि भारत पर बुरी नजर डालने के नतीजे कितने भयावह होंगे। प्रधानमंत्री मोदी की पहल से 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का जो एक राष्ट्रीय स्वप्न परवान चढ़ा है, उसके साकार होने पर ऐसी निवारक शक्ति सहज ही प्राप्त की जा सकती है। हालांकि इस सपने की पूर्ति के लिए देश को निरंतर आठ प्रतिशत से अधिक की आर्थिक वृद्धि दर प्राप्त करनी होगी। ऐसी ऊंची वृद्धि कम से कम 36 प्रतिशत के सकल पूंजी निर्माण (जीसीएफ) के जरिये ही प्राप्त की जा सकती है। यह तभी संभव है, जब बचत और निवेश दर कुल आर्थिक उत्पादन के 36 प्रतिशत से अधिक हो। अफसोस की बात यह है

इसने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की गति को और तेजी देने की आवश्यकता को दर्शाया है। इसके लिए हमें आर्थिक रूप से सक्षम बनना होगा। यहां यह न भूला जाए कि कुछ देश अपने आर्थिक रुतबे को ही ताकत बनाकर न केवल पड़ोसियों, बल्कि दुनिया भर को धौंस दिखाने का काम करते हैं। यहां तक कि वे नैरेटिव पर भी नियंत्रण रखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद और आतंकवादियों को जड़ से मिटाने का एलान किया है। निःसंदेह राजनीतिक संकल्पशक्ति और हमारे सैन्य बलों का पराक्रम तात्कालिक रूप से इस चुनौती से निपटने में सक्षम हैं, लेकिन इसका दीर्घकालिक उपाय आर्थिक मजबूती से ही जुड़ा है कि हमें परेशान करने की मंशा रखने वालों के मन में यह भय व्याप्त हो कि भारत पर बुरी नजर डालने के नतीजे कितने भयावह होंगे। प्रधानमंत्री मोदी की पहल से 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का जो एक राष्ट्रीय स्वप्न परवान चढ़ा है, उसके साकार होने पर ऐसी निवारक शक्ति सहज ही प्राप्त की जा सकती है।

कि जीसीएफ लगातार घटने पर है। वित्त वर्ष 2024 में यह और घटकर 31.4 प्रतिशत हो गया, जबकि वित्तीय वर्ष 2023 में यह 32.8 प्रतिशत था। इसका मुख्य कारण निजी क्षेत्र के निवेश में कमी आना है। निजी क्षेत्र का निवेश भी वित्त वर्ष 2023 के 25.8 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 24 प्रतिशत ही रह गया। इस दौरान रिकार्ड सरकारी निवेश हुआ, लेकिन वह इस मोर्चे पर कमी को पूरा करने के लिहाज से पर्याप्त नहीं। जीडीपी वृद्धि दर को गति देने के दो रास्ते हैं। एक निवेश यानी आपूर्ति केंद्रित और दूसरा मांग यानी उपभोग केंद्रित। जहां चीन ने निवेश केंद्रित राह अपनाई तो भारत ने उपभोग आधारित विकल्प की ओर कदम बढ़ाए। सुसंगत आर्थिक वृद्धि तभी सुनिश्चित होती है जब आपूर्ति (निवेश) और मांग (उपभोग) में समन्वय स्थापित हो सके। निवेश आधारित माडल रोजगार सृजन को बढ़ावा देता है, जिससे आय बढ़ती है और अंततरू उपभोग बढ़ता है। जबकि मांग आधारित वृद्धि में मांग सृजन के लिए लगने वाली अवधि विलोपित हो जाती है और निवेशक को अपनी पूंजी निवेश पर कहीं अधिक तेजी से प्रतिफल प्राप्त होता है। मांग आधारित वृद्धि में निवेश तब गति पकड़ता है, जब क्षमता उपयोग 75 प्रतिशत के स्तर को छू लेता है। रिजर्व बैंक के अनुसार विनिर्माण क्षमता उपयोग का स्तर 76.7 प्रतिशत पर पहुंच गया है, लेकिन अभी भी निजी निवेश अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रहा है। कंपनियों के बहीखातों के संतुलन और पूंजी की लागत में बड़ी गिरावट जैसे पहलू भी चुनौती बने हुए हैं। संभव है कि वैश्विक अनिश्चितताएं निजी क्षेत्र के निवेश को लेकर अनिश्चितताएं पैदा कर रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस संदर्भ में कुछ समय पहले हौसला बढ़ाने का भी काम किया। उन्होंने कहा था कि हालिया वैश्विक घटनाक्रम भारत के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा था कि जब सरकार पूंजीगत खर्च बढ़ा रही है तो कारोबारी दिग्गज भी जोखिम की परवाह न करते हुए निवेश बढ़ाएं। भारत जैसे निम्न मध्यम–आय वाली आर्थिकी में विवेकाधीन खर्च करने की क्षमताएं बहुत सीमित होती हैं। जब तक आमदनी में भारी बढ़ोतरी नहीं होती, तब तक उपभोग या खपत के स्तर पर बहुत ज्यादा तेजी नहीं आ पाएगी। चीन ने निवेश केंद्रित राह चुनी और उसकी अर्थव्यवस्था ने करीब 40 से भी कम वर्षों में अप्रत्याशित ऊंचाई को छुआ।

यह सही समय है कि अंबानी, अदाणी, टाटा, बिड़ला, डालमिया और इन जैसे अन्य कारोबारी घराने एवं उद्यमी मांग में तेजी आने और वैश्विक अनिश्चितताओं के बादल छंटने का इंतजार करने के बजाय अपना दृष्टिकोण बदलें।

वे निवेश की राह पर आगे बढ़ते हुए देश का आर्थिक रुतबा बढ़ाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। सैन्य बल सदैव अपने योगदान के लिए तत्पर रहते हैं और सर्वोच्च बलिदान से भी पीछे नहीं हटते, लेकिन हमें यह भी सोचना होगा कि आर्थिक निवारक शक्ति का विकास उनके लिए कितना मददगार होगा। भारत इस समय दुनिया की सबसे तेजी से वृद्धि करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। पिछले कई वर्षों से यह सिलसिला इसी प्रकार से कायम है और मौजूदा वैश्विक उथल–पुथल का भारत की वृद्धि पर बहुत ज्यादा असर पड़ने के आसार भी नहीं। यह मानने के अच्छे–भले कारण हैं कि कम से कम अगले एक दशक तक भारत बहुत तेज गति से वृद्धि करेगा। इसलिए निवेश पर प्रतिफल शायद तत्काल बहुत ज्यादा न दिखे, लेकिन दीर्घकाल में यह बहुत व्यापकता एवं समग्रता लिए होगा। देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में स्थापित करने के लिए हरसंभव प्रयास करना भी सच्ची देशभक्ति होगी। इसने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की गति को और तेजी देने की आवश्यकता को दर्शाया है। इसके लिए हमें आर्थिक रूप से सक्षम बनना होगा। यहां यह न भूला जाए कि कुछ देश अपने आर्थिक रुतबे को ही ताकत बनाकर न केवल पड़ोसियों, बल्कि दुनिया भर को धौंस दिखाने का काम करते हैं। यहां तक कि वे नैरेटिव पर भी नियंत्रण रखते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद और आतंकवादियों को जड़ से मिटाने का एलान किया है। निःसंदेह राजनीतिक संकल्पशक्ति और हमारे सैन्य बलों का पराक्रम तात्कालिक रूप से इस चुनौती से निपटने में सक्षम हैं, लेकिन इसका दीर्घकालिक उपाय आर्थिक मजबूती से ही जुड़ा है कि हमें परेशान करने की मंशा रखने वालों के मन में यह भय व्याप्त हो कि भारत पर बुरी नजर डालने के नतीजे कितने भयावह होंगे। प्रधानमंत्री मोदी की पहल से 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का जो एक राष्ट्रीय स्वप्न परवान चढ़ा है, उसके साकार होने पर ऐसी निवारक शक्ति सहज ही प्राप्त की जा सकती है। हालांकि इस सपने की पूर्ति के लिए देश को निरंतर आठ प्रतिशत से अधिक की आर्थिक वृद्धि दर प्राप्त करनी होगी। ऐसी ऊंची वृद्धि कम से कम 36 प्रतिशत के सकल पूंजी निर्माण (जीसीएफ) के जरिये ही प्राप्त की जा सकती है। यह तभी संभव है, जब बचत और निवेश दर कुल आर्थिक उत्पादन के 36 प्रतिशत से अधिक हो। अफसोस की बात यह है कि जीसीएफ लगातार घटने पर है। वित्त वर्ष 2024 में यह और घटकर 31.4 प्रतिशत हो गया, जबकि वित्तीय वर्ष 2023 में यह 32.8 प्रतिशत था। इसका मुख्य कारण निजी क्षेत्र के निवेश में कमी आना है। निजी क्षेत्र का निवेश भी वित्त वर्ष 2023 के 25.8 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 24 प्रतिशत ही रह गया। इस दौरान रिकार्ड सरकारी निवेश हुआ, लेकिन वह इस मोर्चे पर कमी को पूरा करने के लिहाज से पर्याप्त नहीं। जीडीपी वृद्धि दर को गति देने के दो रास्ते हैं।

एक निवेश यानी आपूर्ति केंद्रित और दूसरा मांग यानी उपभोग केंद्रित। जहां चीन ने निवेश केंद्रित राह अपनाई तो भारत ने उपभोग आधारित विकल्प की ओर कदम बढ़ाए। सुसंगत आर्थिक वृद्धि तभी सुनिश्चित होती है जब आपूर्ति (निवेश) और मांग (उपभोग) में समन्वय स्थापित हो सके। निवेश आधारित माडल रोजगार सृजन को बढ़ावा देता है, जिससे आय बढ़ती है और अंततरू उपभोग बढ़ता है। जबकि मांग आधारित वृद्धि में मांग सृजन के लिए लगने वाली अवधि विलोपित हो जाती है और निवेशक को अपनी पूंजी निवेश पर कहीं अधिक तेजी से प्रतिफल प्राप्त होता है।

अपनों के साथ वक्त बिताने का मन हो, तो इसे कभी न टालें

कैप्टन सुमित सभरवाल ने वादा किया था कि अपने व्यस्त समय में कुछ समय निकालकर अपने 82 साल के पिता के साथ गुजारेंगे। इसके बाद उन्होंने घरवालों को फोन किया और कहा कि वो लंदन पहुंचकर फोन करेंगे। कैप्टन सभरवाल वहीं रहते थे, जहां मैं पिछले तीन दशकों से रह रहा हूं, ये मुंबई का पवई इलाका है। मेरा भाई, जो खुद एयर इंडिया में कैप्टन है, वो भी उसी कॉलोनी में रहता है। एयरबस ए310, बोइंग 777, बी787 उड़ाने वाले कैप्टन सभरवाल शांत स्वभाव के और काम के प्रति समर्पित व्यक्ति माने जाते थे। मेरा यकीन है, उनकी ही तरह क्रू के बाकी 11 सदस्यों और सभी यात्रियों ने भी अपने–अपने घरवालों को फोन करके वहीं चीजें कही होंगी। लेकिन इन लोगों के वादे अब कभी पूरे नही हो सकेंगे क्योंकि उन्हें लंदन ले जा रहा विमान एआई171 अहमदाबाद एयरपोर्ट से टेकऑफ करने के 32 सेकंड बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इससे मुझे जीवन के कुछ ऐसे पड़ावों की याद आ गई, जिनमें मैंने अपने परिचित लोगों को खो दिया था। 1980 के शुरुआती दौर में फार्मास्युटिकल कंपनी रॉश प्रोडक्ट्स लिमिटेड में काम करते हुए कुलकर्णी नाम के मेरे एक वरिष्ठ सहकर्मी थे। वे पैकेजिंग विभाग में सुपरवाइजर थे। हम दोनों मुंबई के पास उपनगर डोम्बिवली में रहते थे और हफ्ते में अधिकांश बार साथ यात्रा करते थे। साथ में काम करने के बावजूद, हमारे परिवार कभी एक–दूसरे से नहीं मिले। असल में हमने दोनों परिवारों के लिए उस महीने के आखिर में एक सरप्राइज डिनर की योजना बनाई थी, पर हमें अहसास ही नहीं था कि नसीब ने कुछ और ही सोच रखा है। उसी महीने की बात है, एक दिन कुलकर्णी ने कहा कि उन्हें कुछ जरूरी काम निपटाने हैं, इसलिए वह बाद में जाएंगे और इस कारण मैं ऑफिस से समय पर निकल गया। उसी रात कोई मेरे घर पर आया और बताया कि कुलकर्णी दफ्तर के बाहर बस स्टॉप पर खड़े हुए थे, ताकि लोकल ट्रेन पकड़ने के लिए नजदीकी रेल्वे स्टेशन तक पहुंच सकें। उन्होंने देखा कि बस दूर से आ रही है और वह इसके लिए तैयार हो गए और ठीक वहीं खड़े होकर इंतजार करने लगे, जहां बस का फुटबोर्ड आकर खड़ा रहता है। लेकिन तभी ब्रेक फेल होने के कारण बस ने अपना नियंत्रण खो दिया और बस स्टैंड को टक्कर मार दी, जिसमें कुलकुर्णी की जान चली गई। उनकी मौत रॉश प्रोडक्ट लिमिटेड के ठीक उसी एंट्री गेट पर हुई, जिस कंपनी में उन्होंने लगभग एक दशक काम किया था। कुछ ऐसी ही कहानी केएन राघवेंद्र की है, जो कई अखबारों में वरिष्ठ संपादकीय पदों पर रहे और हमने 30 साल से ज्यादा समय तक साथ काम किया। हमने मुंबई में डीएनए समेत कई अखबारों में साथ काम किया। लेकिन उनकी मौत पूरी तरह से अप्रत्याशित थी। उनकी जिंदगी के आखिरी पलों से ठीक दो दिन पहले हम साथ में नाशिक की रोड ट्रिप पर गए। नाशिक में हम दोनों ने अपने अलग–अलग आशियाने बना रखे थे और हमेशा से चाहते थे कि रिटायर्ड लाइफ मिलकर यहीं बिताएं। हम मुंबई से चले, नाशिक में दो दिन रुके और लौटने से पहले बुढ़ापे की योजना बनाई। दो दिन बाद अचानक मुझे खबर मिली कि राघवेंद्र नहीं रहे। उन्हें दरअसल बेचौनी हो रही थी और पत्नी उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाने में मदद के लिए पड़ोसी को बुलाने गई थीं, इस बीच राघवेंद्र पत्नी को आवाज लगाने के लिए बिस्तर से उठे और दरवाजे तक पहुंचने से पहले ही अचेत होकर गिर पड़े। तब से मैंने एक आदत बना ली है। अगर मुझे लगता है कि मुझे किसी से मिलना है, तो मैं अपना बैग पैक करता हूं, टिकट लेता हूं और मिलने के लिए निकल पड़ता हूं। अगर वे मेरे ही शहर में होते हैं, तो मैं ड्राइव करके उनसे मिलने पहुंच जाता हूं। इससे मुझे अंदर से बहुत शांति मिलती है। फंडा यह है कि ऐसे ही पलों में हमें पता चलता है कि जिंदगी का कोई भरोसा नहीं। ईश्वर ने कितने दिन का जीवन लिखा है, इस पर हमारा कोई वश नहीं, पर उन दिनों को हमने कितनी खूबसूरती से जिया, इस पर तो हमारा नियंत्रण हो ही सकता है। अपने प्रियजनों के साथ ज्यादा से ज्यादा वक्त बिताकर, खूब सारा प्रेम लुटाकर, एक उद्देश्य के साथ जीवन जिएं। मेरा भाई, जो खुद एयर इंडिया में कैप्टन है, वो भी उसी कॉलोनी में रहता है। एयरबस ए310, बोइंग 777, बी787 उड़ाने वाले कैप्टन सभरवाल शांत स्वभाव के और काम के प्रति समर्पित व्यक्ति माने जाते थे।

आत्मचिंतन की मांग करता उत्तराखंड, एसओपी के उल्लंघन ने केदारनाथ यात्रा को असुरक्षित बनाया

केदारनाथ यात्रा भारत की पवित्र तीर्थयात्राओं में से एक है। इसकी जड़ें सैकड़ों वर्षों पुरानी हैं और आदिगुरु शंकराचार्य के समय तक जाती हैं। यह केवल एक भौतिक यात्रा नहीं, बल्कि श्रद्धा और तप से भरी आध्यात्मिक यात्रा है। पिछले दस वर्षों में इस यात्रा का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। 2013 की भीषण बाढ़ और उसके बाद हुए पुनर्निर्माण एवं प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद केदारनाथ में तीर्थयात्रियों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। 1990 के प्रारंभ में जहां प्रतिदिन औसतन केवल 2,500 श्रद्धालु दर्शन के लिए आते थे, वहीं आज यह संख्या 30,000 से अधिक हो चुकी है। प्रतिवर्ष 20 लाख से भी अधिक यात्री हर सीजन में केदारनाथ यात्रा करते हैं। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की केदारनाथ जी में आस्था जहां सुखद अनुभूति है, वहीं व्यवस्था और पर्यावरण की दृष्टि से एक चुनौती भी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ संवेदनशील हिमालयी वातावरण और पहाड़ों की भारवाहक क्षमता पर दबाव डाल रही है। जब विषय आस्था और भावना से जुड़ा हो, तब भीड़ रोकने के नियमों का पालन कराना कठिन हो जाता है। दुर्भाग्यवश अब यह यात्रा कुछ लोगों के लिए 'स्टेटस सिंबल' बन गई है। 2013 की त्रासदी के बाद भूगर्भीय बदलावों से पैदल मार्ग को 14 किमी से बढ़ाकर 19 किमी करना पड़ा। अब यह मार्ग और कठिन हो गया है, विशेषकर बुजुर्गों के लिए। अब पैदल मार्ग पर घोड़े भी चलते हैं, जो यात्रा को असुरक्षित बना रहे हैं। राहत के रूप में शुरू की गई हेलीकाप्टर सेवा भी आज सुविधा के साथ एक चुनौती बन गई है। ये उड़ानें ध्वनि प्रदूषण करती हैं, जीवाश्म ईंधन जलाती हैं और पर्वतीय जलवायु को क्षति पहुंचाती हैं। हेलीकाप्टर से लोग अल्प समय में गंतव्य तक पहुंच जाते हैं, जहां तापमान, हवा का दबाव और आक्सीजन भी कम होती है।

इससे व्यक्ति खुद को मौसम के अनुकूल नहीं ढाल पाता, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी पैदा होती हैं। उत्तराखंड सिविल एविएशन डेवलपमेंट अथारिटी हेलीकाप्टर सेवा का संचालन करती है। यात्रियों के टिकट का मूल्य 7,000 से भी कम रखा है, जो आज किफायती ही कहा जा सकता है, क्योंकि इतने में तो कभी–कभी घोड़े भी नहीं मिलते। इससे हेलीकाप्टर टिकट प्राप्त करना एक चुनौती बन गया है। लंबी कतारें, टिकटों की कालाबाजारी, फर्जी वेबसाइटों के जाल में फंसना आम है। जब मौसम पूरा दिन साफ रहे, तब भी अधिकतम 2,000 यात्री ही प्रतिदिन हेलीकाप्टर से यात्रा कर सकते हैं, लेकिन टिकटों की मांग 10,000 से भी अधिक होती है। इससे वीआइपी सिफारिशों का प्रशासन पर दबाव बना रहता है। इस क्षेत्र में मौसम अत्यंत अनिश्चित होता है। कभी–कभी तो कुछ ही मिनटों में दृश्यता (विजिबिलिटी) शून्य तक पहुंच सकती है, जिससे सुरक्षित लैंडिंग कठिन हो जाती है। ऐसे में सुरक्षा मानकों की अवहेलना कर उड़ान भरने का दबाव पायलटों और प्रशासन पर बना रहता है। अगर मानक संचालन प्रक्रियाओं(एसओपी) को सख्ती से लागू किया जाए, तो दुर्घटनाओं की आशंका घट सकती है, पर इससे उड़ानों की संख्या घटेगी, जो व्यावसायिक रूप से हेलीकाप्टर संचालकों के लिए अनुकूल नहीं। श्रद्धालुओं में भी असंतोष बढ़ता है और वे खराब मौसम में भी हेलीकाप्टर संचालन की मांग करते हैं। इन कारणों से हेलीकाप्टर आवश्यकता से अधिक चक्कर लगाते हैं, जिससे उनके रखरखाव की उपेक्षा होती है और तकनीशियनों पर सीमित समय में उनकी सर्विसिंग का दबाव होता है, ताकि अधिक उड़ानों की अव्यावहारिक मांग पूरी की जा सके। खराब मौसम, कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और समय के दबाव में कभी–कभी तकनीकी त्रुटि हो जाती है, जो जानलेवा साबित होती है। इसी 15 जून को केदारनाथ से गुप्तकाशी जा रहा हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें पायलट और एक बच्चे सहित सात तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई। खराब मौसम और दृश्यता की कमी इस दुर्घटना के मुख्य कारण रहे।

अहमदाबाद विमान और उत्तराखंड हेलिकॉप्टर हादसे ने बढ़ाई चिंता

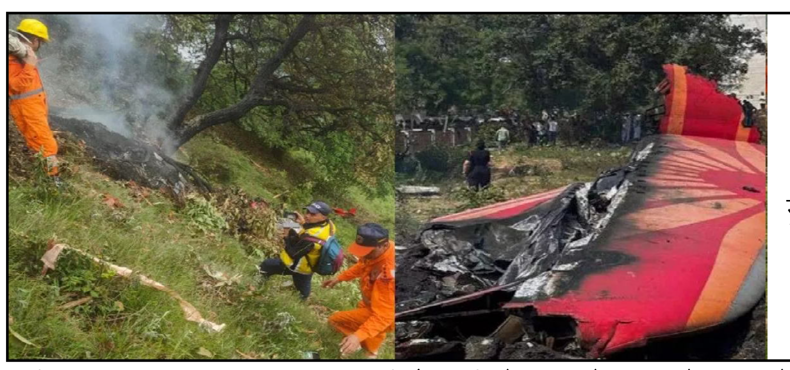

इस हादसे के बाद बोइंग के अलावा एअर इंडिया में भागीदार सिंगापुर एयरलाइंस (एसआइए) के साथ कुछ अन्य एयरलाइंस के शेयर भी गिरे। अहमदाबाद में हवाई हादसे के बाद से भारत समेत दुनिया भर में विमानों के संचालन में छोटी–बड़ी खामी मिलने, उड़ान रद होने, रोके जाने के समाचार थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इनमें ड्रीमलाइनर समेत अन्य विमान भी हैं। निर्माण के दौरान अपने विमानों के सेफ्टी सिस्टम की अनदेखी के कारण बोइंग गंभीर सवालों के घेरे में रही है। इस कंपनी के 'व्हिसिलब्लोअर' इंजीनियर सैम सालेहपोर ने ड्रीमलाइनर एवं अन्य विमानों के निर्माण में जानबूझकर लापरवाही बरतने का आरोप मढ़ा था। इसके चलते बोइंग की खूब बदनामी हुई थी।

राजीव सचान

दुनिया को स्तब्ध और भारतीयों को गहरी पीड़ा से भर देने वाली अहमदाबाद विमान दुर्घटना की चर्चा जारी रहना स्वाभाविक है। यह आवश्यक भी है, क्योंकि हाल के इतिहास में ऐसा हवाई हादसा याद करना कठिन है, जिसमें इतने अधिक भारतीयों की मौत हुई हो। एअर इंडिया के अभागे 787 ड्रीमलाइनर विमान के उड़ान भरते ही गिरने से एक यात्री के चमत्कारिक ढंग से बच जाने के अतिरिक्त सभी यात्री और चालक दल के सदस्य काल के गाल में समा गए। यह विमान पास के मेडिकल कालेज के जिस हास्टल की कैंटीन पर आग का गोला बनकर गिरा, वहां कुछ मेडिकल छात्र और अन्य लोग भी मारे गए। अहमदाबाद विमान हादसे के कारणों को लेकर आम लोगों के साथ विशेषज्ञों के अपने–अपने विचार हैं। इनमें एक कैप्टन स्टीव भी हैं, जिन्होंने अहमदाबाद हादसे के कारणों को लेकर जो दावा किया, उसे खुद ही बदल दिया, लेकिन इसके पहले उन्हें एक भारतीय टीवी चौनल पर 'ज्ञान' देते देखा गया। अन्य विशेषज्ञ अनुमान लगा रहे हैं कि बोइंग का अपेक्षाकृत नया और आधुनिक ड्रीमलाइनर विमान किन कारणों से ऐसे भयावह हादसे का शिकार बना। चूंकि बोइंग के इस विमान के साथ पेश आया यह पहला बड़ा हादसा है, इसलिए भारत समेत विश्व भर की एयरलाइंस एवं हवाई संचालन सेवा से जुड़ी संस्थाएं चिंतित हैं। इस हादसे की राष्ट्रीय के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गहन जांच हो रही है। इसी के साथ जो प्रश्न उठे हैं, उनके घेरे में एअर इंडिया प्रबंधन, टाटा समूह, डीजीसीए, एयरपोर्ट अथारिटी और भारत सरकार आदि के साथ बोइंग कंपनी भी है। इस हादसे के बाद बोइंग के अलावा एअर इंडिया में भागीदार सिंगापुर एयरलाइंस (एसआइए) के साथ कुछ अन्य एयरलाइंस के शेयर भी गिरे। अहमदाबाद में हवाई हादसे के बाद से भारत समेत दुनिया भर में विमानों के संचालन में छोटी–बड़ी खामी मिलने, उड़ान रद होने, रोके जाने के समाचार थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इनमें ड्रीमलाइनर समेत अन्य विमान भी हैं। निर्माण के दौरान अपने विमानों के सेफ्टी सिस्टम की अनदेखी के कारण बोइंग गंभीर सवालों के घेरे में रही है। इस कंपनी के 'व्हिसिलब्लोअर' इंजीनियर सैम सालेहपोर ने ड्रीमलाइनर एवं अन्य विमानों के निर्माण में जानबूझकर लापरवाही बरतने का आरोप मढ़ा था। इसके चलते बोइंग की खूब बदनामी हुई थी। बोइंग ने इस इंजीनियर के आरोप खारिज करते हुए कहा था कि वह अपने सभी विमानों के निर्माण में जरूरी सावधानी बरतती है, पर शायद उसने ऐसा नहीं किया। 2021 में अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने ड्रीमलाइनर की डिलीवरी रोक दी थी। बोइंग के बदनाम हुए मैक्स विमान इस्तेमाल कर रही इंडोनेशिया और इथोपिया एयरलाइंस के नए विमान 2018–19 में पांच महीने के अंतराल पर दुर्घटनाग्रस्त हुए थे। इनमें कुल 346 लोग मारे गए थे। इन हवाई हादसों की जांच में यह सामने आया था कि बोइंग ने धोखाधड़ी की। उसके मैक्स विमानों के साफ्टवेयर में खामी थी और इस खामी को दूर कर सकने वाले जिन उपायों से विमान के लैस होने का उसने वादा किया था, वे उनमें थे ही नहीं। इसके चलते बोइंग की साख को धक्का तो लगा ही, इन दोनों हादसे में मारे गए लोगों के स्वजनों से अदालत के बाहर समझौता करने के बाद भी बोइंग को भारी भरकम हर्जाना देना पड़ा। इससे उसे तगड़ी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी। बोइंग की पोल खोलने का काम उसके कई और अधिकारी कर चुके हैं। ये भी 'व्हिसिलब्लोअर' कहलाए। इनके भी ऐसे आरोप थे कि बोइंग विमानों को आनन–फानन बनाने के लिए शार्टकट इस्तेमाल करती है और इससे विमानों की सुरक्षा खतरे में पड़ती है। बोइंग अपने कर्मियों के असंतोष और उनकी हड़ताल का भी सामना कर चुकी है। इसके चलते उसके विमानों का उत्पादन प्रभावित हुआ और वह कहीं कम आर्डर की सप्लाई कर पा रही है। फिर भी एअर इंडिया समेत अन्य एयरलाइंस उसके विमान खरीदने के आर्डर देती रहती हैं। ऐसा करना उनकी मजबूरी भी हो सकती है। जो भी हो, बोइंग का इतिहास बहुत दागदार है। टाटा एयरलाइंस की स्थापना भारत में सिविल एविएशन के जनक जेआरडी टाटा ने की थी। बाद में सरकार ने इसका अधिग्रहण कर लिया और नाम कर दिया एअर इंडिया। एअर इंडिया को कुप्रबंधन और घाटे से उबारने के लिए मोदी सरकार ने उसे निजी कंपनी को बेचने का फैसला लिया। स्वाभाविक रूप से पहली पसंद टाटा समूह बना। 2022 में एअर इंडिया उसके हाथों में चली गई। नाम एअर इंडिया ही रहा। इससे दुनिया में कुछ लोग इसे भारत सरकार की एयरलाइंस समझते हों तो हैरानी नहीं। टाटा समूह के हाथ में जाने के बाद माना यह गया कि अब इसका संचालन सुगम एवं सुरक्षित तरीके से होगा, लेकिन अहमदाबाद का हादसा संकेत कर रहा है कि संभवतः ऐसा नहीं हो सका है। उस पर विमान संचालन में पर्याप्त सजगता न बरतने के आरोप में जुर्माना भी लग चुका है। उसे सुविधाओं में कमी– अनदेखी के आरोप से भी दो–चार होना पड़ा है। एक बार तो केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ही शिकायत कर चुके हैं। अहमदाबाद हादसे पर एअर इंडिया प्रबंधन के साथ टाटा समूह स्वाभाविक रूप से दुखी और गंभीर है, लेकिन एअर इंडिया में भागीदार सिंगापुर एयरलाइंस के बारे में कुछ कहना कठिन है। एसआइए में सिंगापुर सरकार की भी हिस्सेदारी है। वहां के पीएम ने तो अहमदाबाद हादसे पर दुख जताया, पर एसआइए के एक्स(ट्विटर) हैंडल पर संवेदना का एक शब्द नहीं दिखा। अहमदाबाद हादसे को लेकर जो सवाल उठे हैं, उनका उसे भी तो जवाब देना होगा। यदि यह समय एअर इंडिया के लिए परीक्षा की घड़ी है तो एसआइए के लिए भी। निःसंदेह समय के साथ विमान यात्रा सुरक्षित हुई है, लेकिन हर हवाई हादसे पर विमानों के सुरक्षित संचालन पर वैसे ही सवाल भी उठते हैं, जैसे इन दिनों उठ रहे हैं। अहमदाबाद हादसे के बाद उत्तराखंड में एक और जानलेवा हेलीकाप्टर हादसे के चलते ये सवाल और अधिक चिंता का कारण बन गए हैं। अब अपने देश में विमान और हेलीकाप्टर सेवाओं का उपयोग बड़ी संख्या में आम आदमी कहे जाने वाले लोग भी करते हैं, क्योंकि हवाई यात्रा जरूरत बन गई है। इसीलिए कहा जाता है कि हमारे देश के हवाई चप्पल पहनने वाले भी हवाई यात्रा कर रहे हैं। यह एक हद तक सच भी है। हवाई यात्रा सुरक्षित हो, यह एयरलाइंस और नियामक संस्थाओं के साथ भारत सरकार को भी सुनिश्चित करना होगा। आज के युग में आम और खास के लिए हवाई यात्रा जरूरी भी है और मजबूरी भी। किसी कारण लोगों की जान जोखिम में पड़े, यह अस्वीकार्य है। हम इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि अपने देश में रेल और सड़क यात्रा विकसित देशों के मुकाबले जोखिम भरी है। सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या तो घटने का नाम ही नहीं ले रही है। इस हादसे के बाद बोइंग के अलावा एअर इंडिया में भागीदार सिंगापुर एयरलाइंस (एसआइए) के साथ कुछ अन्य एयरलाइंस के शेयर भी गिरे। अहमदाबाद में हवाई हादसे के बाद से भारत समेत दुनिया भर में विमानों के संचालन में छोटी–बड़ी खामी मिलने, उड़ान रद होने, रोके जाने के समाचार थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इनमें ड्रीमलाइनर समेत अन्य विमान भी हैं। निर्माण के दौरान अपने विमानों के सेफ्टी सिस्टम की अनदेखी के कारण बोइंग गंभीर सवालों के घेरे में रही है।

हैदरगढ़ में बादल बरसे लेकिन कई जगह बारिश को तरसे

पिछले कई दिनों से गर्मी की मार झेल रहे लोगों को झमाझम बारिश से कुछ राहत मिली

बाराबंकी (संवाददाता)। पिछले कई दिनों से गर्मी की मार झेल रहे हैदरगढ़ के लोगों को शुक्रवार को हुई झमाझम बारिश से कुछ राहत जरूरी मिली है। वहीं बेलहरा में भी कुछ देर के लिए बारिश हुई है। लेकिन अन्य स्थानों पर तेज धूप के साथ बादलों की लुकाछिपी का खेल जारी जिससे उमस और गर्मी से लोग बेहाल दिखाई दिए। मौसम विभाग के अनुसार बृहस्पतिवार को दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं हवा 11 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चली तो आर्द्रता 85 प्रतिशत दर्ज की गई। इससे अभी राहत मिलने के आसार नहीं है। वहीं सुबह से ही बादलों की आंख मिचौली जारी रही लेकिन बारिश नहीं हुई। दिन निकली तेज धूप और उमस से लोग पूरा दिन परेशान रहे। उधार हैदरगढ़ क्षेत्र में कई जगह बारिश से मौसम सुहाना हो गया। कस्बा हैदरगढ़ में शाम साढ़े तीन से चार बजे तक आधा घंटा बारिश हुई। इससे कस्बा के मोहल्ला सब्जीमंडी, सराफा बाजार में घुटनों तक पानी जमा हो गया। जूता मंडी तक करीब एक घंटा तक जलजमाव से बाजार पहुंचे खरीदारों महिलाओं को दिक्कत हुई। मोहल्ला कुरैशी में कई जगह जलभराव दिखाई दिया। बस स्टेशन हैदरगढ़ परिसर में बारिश रुकने के एक घंटा बाद तक जलभराव से यात्री दूषित पानी से होकर जाने को विवश रहे। हाईवे किनारे, निरीक्षण भवन, तहसील कॉलोनी, उपनिबंधन कार्यालय, ब्लॉक परिसर में बारिश थमने के काफी समय तक जलभराव बना रहा। त्रिवेदीगंज क्षेत्र के शिवनाम, कान्हीपुर, खेमीपुर, जरौली, देवीपुर, खैराबीरू, बड़वल में दो बजे भारी बारिश से मौसम बदल गया और खेतों में पानी भरने से किसानों के चेहरे चमक उठे। वहीं बेलहरा में भी करीब एक घंटे तक तेज बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार बृहस्पतिवार को दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं हवा 11 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चली तो आर्द्रता 85 प्रतिशत दर्ज की गई। इससे अभी राहत मिलने के आसार नहीं है। वहीं सुबह से ही बादलों की आंख मिचौली जारी रही लेकिन बारिश नहीं हुई। दिन निकली तेज धूप और उमस से लोग पूरा दिन परेशान रहे।

स्कैनर से ओपीडी के ऑनलाइन परचे बनना शुरू

बाराबंकी (संवाददाता)। संयुक्त चिकित्सालय सिरौलीगौसपुर में ओपीडी के परचे पर स्कैनर लगा दिया गया है। इसके माध्यम से ओपीडी के परचे ऑनलाइन बनने लगे हैं। इससे काउंटर पर पर्चे बनवाने वालों की भीड़ कम हो रही है। एक बार जो स्कैनर अपने मोबाइल में लोड कर लेता है, वह घर बैठे परचे के लिए आवेदन कर देता है। काउंटर पर पहुंचते ही नंबर बताने से परचा मिल जाता है। सीएचसी पर बुधवार को 122 तथा बृहस्पतिवार को 158 लोगों के परचे बनाए जा चुके हैं।

इस संबंध में सीएमएस डॉ. एके सिन्हा ने बताया कि इस एप से आयुष्मान के मरीजों के भी परचे बन रहे हैं। इससे काउंटर पर पर्चे बनवाने वालों की भीड़ कम हो रही है। एक बार जो स्कैनर अपने मोबाइल में लोड कर लेता है,।

१२ घंटे में १२ बार कटी बिजली सप्लाई, लोग बेहाल

बाराबंकी (संवाददाता)। भीषण गर्मी के बीच मांग बढ़ने के कारण शहर से लेकर गांव तक जमकर बिजली कटौती की जा रही है। जिले के पांचों डिवीजन के ग्रामीण क्षेत्रों में आठ से दस घंटे ही बिजली मिल पा रही है। बृहस्पतिवार को शहर के पॉश इलाके सिविल लाइन, कंपनीबाग, नेहरू नगर में 12 घंटे में 12 बार बिजली गुल हुई। इससे उमस भरी गर्मी में लोगों का काफी परेशानी उठाना पड़ी। शहर में ओवरी ओल्ड से गुजरी मुख्य लाइन में फाल्ट आने से आवास विकास, विकास भवन रोड, कोठीडीह, गोकुल नगर समेत करीब दस मोहल्ले की बिजली सप्लाई फॉल्ट के कारण घंटों गुल रही। इस दौरान बीते एक माह से ट्रांसफार्मर दुरुस्त करने, क्षमता बढ़ाए जाने की कवायद धरी की धरी रह गई। ट्रांसफार्मर की केबल जलने, फ्यूज उड़ने आदि फाल्ट के चलते शहर में बृहस्पतिवार सुबह सात बजे से शाम सात बजे तक बिजली की आवाजाही लगी रही। रामनगर क्षेत्र में अशोकपुर चंदनापुर ददौरा, भिटौरा, कांप, सीहामऊ हसनापुर, रानी बाजार में 10 बजे से लेकर दो बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रही। नगर पंचायत में दो घंटे बिजली गुल रही।

वहीं माधव जलालपुर गांव में महज दो छोटे ट्रांसफार्मर के सहारे ही 80 उपभोक्ताओं को सप्लाई दी जा रही है जिससे लो वोल्टेज की समस्या से ग्रामीण जूझ रहे हैं।

4.65 करोड़ से कराए जाएंगे विकास कार्य

बाराबंकी (संवाददाता)। नगर पंचायत फतेहपुर चार करोड़ 65 लाख की लागत से विकास कार्य कराएं जाएंगे। मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के तहत विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। प्रस्तावित कार्यों में 50 लाख रुपये की लागत से डिजिटल लाइब्रेरी, 43 लाख रुपये की लागत से रिकॉर्ड रूम का निर्माण, 60 लाख रुपये की लागत से ओपन जिम व चिल्ड्रेन पार्क, 44 लाख रुपये की लागत से फूड स्ट्रीट हब, एक करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से बासताली तालाब का कायाकल्प, 32 लाख रुपये की लागत से काजीपुर वार्ड एक में सीसी सड़क व नाली का निर्माण, 15 लाख रुपये की लागत से फैयाजपुरा वार्ड में सीसी सड़क का निर्माण व 50 लाख रुपये की लागत से नगर पंचायत के विस्तारित व मुख्य मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

ट्रकों से माल उड़ाने वाले तीन गिरफ्तार

बाराबंकी (संवाददाता)। हाईवे पर खड़े ट्रकों का तिरपाल काटकर लदा माल चोरी करने वाले गिरोह के तीन शातिर चोरों को पुलिस ने पकड़ा है। इनके कब्जे से चोरी गया सामान, एक अवैध तमंचा और वारदात में इस्तेमाल की गई कार बरामद हुई है। एएसपी विकास चंद्र त्रिपाठी ने बृहस्पतिवार को बताया कि गोंडा के निखिल सिंह ने बताया था कि वह लखनऊ की एक ऑटो पार्ट कंपनी में मैनेजर है। 12 जून की रात किसान पथ पर जबरीकला बस स्टॉप के पास फरीदाबाद से ई–रिक्शा पार्ट्स लेकर लखनऊ आ रहे ट्रक का चालक हरिओम वहीं ट्रक खड़ा करके सो गया था। सुबह उठने पर पता चला कि ट्रक का तिरपाल काटकर लाखों रुपये का सामान चोरी कर लिया गया है। निखिल की तहरीर पर थाना देवा में मुकदमा दर्ज कराया था।

६० राउंड चली थीं गोलियां, जान बचाकर भागे थे सिपाही

सीतापुर (संवाददाता)। महोली के बहुचर्चित बड़ागांव तिहरे हत्याकांड में बृहस्पतिवार को अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया।

अपर सत्र न्यायाधीश महेंद्र सिंह चतुर्थ की कोर्ट ने 12 आरोपियों को उम्रकैद और 60–60 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह हत्याकांड 25 जून 2015 को प्रधान पद की रंजिश को लेकर हुआ था, जिसमें दिनदहाड़े गोलियां चली थीं और बाजार में दहशत फैल गई थी। पीड़ित रज्जन सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके भाई जितेंद्र सिंह प्रधान पद के उम्मीदवार थे। इससे गांव के तत्कालीन प्रधान हरिवंश सिंह नाराज थे। 25 जून को एक मामूली कहासुनी के बाद बात बढ़ी और हरिवंश सिंह ने अपने साथियों के साथ बड़ागांव चौकी पर पहुंचे पीड़ित पक्ष पर हमला बोल दिया। वहां 60 राउंड से ज्यादा फायरिंग हुई, जिसमें जितेंद्र सिंह, सुंदरलाल और लालजी की मौके पर ही मौत हो गई थी। गोलियों की बौछार से बाजार में भगदड़ मच गई, पुलिसकर्मी और दुकानदार तक जान बचाकर भाग खड़े हुए। यह मामला करीब नौ तक अदालत में चला और बृहस्पतिवार को हरिवंश सिंह, रामऔतार सिंह, अनूप सिंह, मुन्ना सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सतीश सिंह, प्रदीप सिंह, रामगोपाल सिंह, राजेंद्र सिंह, मुकेश सिंह, सतेंद्र सिंह और रामकुमार सिंह को दोषी पाया गया है। सभी को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। यह हत्याकांड 25 जून 2015 को प्रधान पद की रंजिश को लेकर हुआ था, जिसमें दिनदहाड़े गोलियां चली थीं और बाजार में दहशत फैल गई थी।

शारदा नहर में डूबने से युवक की मौत

सीतापुर (संवाददाता)। महजिदिया गांव के पास शारदा सहायक नहर में गुरुवार को एक युवक की डूबने से मौत हो गई। युवक नहर किनारे बैठा था, इसी दौरान फिसलकर पानी में गिर गया। स्थानीय लोगों और परिजनों ने काफी प्रयास के बाद युवक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के संबंध में भूलनपुर मोहल्ला निवासी आशिक अली ने बताया कि उनका 20 वर्षीय बेटा कासिम गुरुवार को महजिदिया पुल के पास नहर किनारे बैठा था। इसी दौरान वह पैर फिसलने से नहर में जा गिरा। आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाकर परिजनों को सूचना दी। ग्रामीणों की मदद से युवक को बाहर निकाला गया और स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक विजयेन्द्र सिंह ने बताया कि परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। विधिक औपचारिकताओं के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

शिक्षा के मंदिरों में फ्राड की लीला, बिना पंजीकरण बंटी लाखों की रकम

लाखों रुपये की छात्रवृत्ति उन छात्रों के खातों में भेजी गई, जिनका स्कूल में नामांकन तक न था

अल्पसंख्यक छात्रों को मिलने वाली केंद्रीय छात्रवृत्ति योजना में बड़ा घोटाला सामने आया है।

सीतापुर (संवाददाता)। शिक्षा के जिन मंदिरों में छात्रों का भविष्य गढ़ा जाता है, वहां छात्रों के नाम पर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया। लाखों रुपये की छात्रवृत्ति उन छात्रों के खातों में भेजी गई, जिनका स्कूल में नामांकन तक न था। जिले में अल्पसंख्यक छात्रों को मिलने वाली केंद्रीय छात्रवृत्ति योजना में बड़ा घोटाला सामने आया है। वर्ष 2021–22 की छात्रवृत्ति में बिना पंजीकरण के ही छात्रों के नाम पर 48 लाख सात हजार नौ सौ रुपये बांट दिए गए। जांच में सात निजी शिक्षण संस्थानों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। डीएम अभिषेक आनंद के निर्देश पर इन संस्थानों के नोडल अफसरों और हेड ऑफ इंस्टीट्यूट के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। डीएम के आदेश पर 12 खंड शिक्षा अधिकारियों ने करीब 36 संस्थाओं की जांच की। रिपोर्ट में सामने आया कि कई छात्रों का विद्यालय में कोई पंजीकरण ही नहीं था, लेकिन उनके नाम पर छात्रवृत्ति और फीस प्रतिपूर्ति की धनराशि निकाल ली गई। कुछ संस्थानों ने तो जांच टीम को जरूरी दस्तावेज तक नहीं दिए। कहीं मान्यता को लेकर सवाल खड़े हुए, तो कहीं छात्रों की संख्याओं में भारी गड़बड़ी पाई गई। लाखों रुपये की छात्रवृत्ति उन छात्रों के खातों में भेजी गई, जिनका स्कूल में नामांकन तक न था। जिले में अल्पसंख्यक छात्रों को मिलने वाली केंद्रीय छात्रवृत्ति योजना में बड़ा घोटाला सामने आया है। वर्ष 2021–22 की छात्रवृत्ति में बिना पंजीकरण के ही छात्रों के नाम पर 48 लाख सात हजार नौ सौ रुपये बांट दिए गए।

जांच में सात निजी शिक्षण संस्थानों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। डीएम अभिषेक आनंद के निर्देश पर इन संस्थानों के नोडल अफसरों और हेड ऑफ इंस्टीट्यूट के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। डीएम के आदेश पर 12 खंड शिक्षा अधिकारियों ने करीब 36 संस्थाओं की जांच की। रिपोर्ट में सामने आया कि कई छात्रों का विद्यालय में कोई पंजीकरण ही नहीं था, लेकिन उनके नाम पर छात्रवृत्ति और फीस प्रतिपूर्ति की धनराशि निकाल ली गई। कुछ संस्थानोंने तो जांच टीम को जरूरी दस्तावेज तक नहीं दिए। कहीं मान्यता को लेकर सवाल खड़े हुए, तो कहीं छात्रों की संख्याओं में भारी गड़बड़ी पाई गई।

बाढ़ की तबाही से बचाएगा रेगुलेटर

सीतापुर (संवाददाता)। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बुधवार को 168.60 करोड़ की सात परियोजनाओं का शिलान्यास व 46.74 करोड़ की नौ परियोजनाओं का लोकार्पण किया। बंगालीघाट के गोबरहिया नाले पर रेगुलेटर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। इस दौरान जन चौपाल में ग्रामीणों से संवाद किया, किसानों को प्रशस्तिपत्र वितरित किए, चहलारीघाट व गनेशपुर के मध्य बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। जल शक्ति मंत्री सबसे पहले बुधवार दोपहर 12 बजे बंगालीपुरवा घाट पर पहुंचकर 20 करोड़ रुपये की लागत की 100 मीटर लंबे तथा साढ़े पांच मीटर चौड़े रेगुलेटर निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया।

शाम को बरसे बादलों ने गर्मी से दिलाई राहत

दो बार में एक घंटे हुई बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी उधर, किसानों के चेहरों पर खुशी नजर आई

हरदोई (संवाददाता)। सुबह हल्की बूंदाबांदी हुई और इसके बाद दिन भर धूप खिली रही। इससे गर्मी और उमस बढ़ गई। इससे लोग बेहाल दिखे। वहीं, शाम को बादल छाए और झमाझम बारिश हुई। दो बार में एक घंटे हुई बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी। उधर, किसानों के चेहरों पर खुशी नजर आई। हालांकि, शहर के सड़कों पर पानी भर गया। मानसून ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बुधवार को ही दस्तक दे दी थी। उम्मीद जताई जा रही थी कि बृहस्पतिवार तक जिले में भी बारिश होगी और हुआ भी ऐसा ही। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार बृहस्पतिवार शाम को बदरा जमकर बरसे। जबकि इसके पहले उमस भरी गर्मी से लोग परेशान नजर आ रहे थे। सुबह बूंदाबांदी हुई थी और इसके बाद पूरे दिन धूप खिली रही। कुछ देर बादलों का आना जाना होता रहा, लेकिन उमस ने लोगों को परेशान कर दिया। दिन में तेज धूप के कारण तापमान में भी इजाफा हो गया। मौसम वेधशाला के अनुसार बुधवार से एक डिग्री अधिकतम तापमान में वृद्धि हुई है। अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस पर रहा और न्यूनतम साढ़े तीन डिग्री चढ़ गया। न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं शाम को साढेघ चार बजे के बाद बारिश हुई। बारिश दो बार करीब एक घंटे तक हुई। इससे गर्मी से राहत मिली। वेधशाला प्रेक्षक आरसी वर्मा ने बताया कि 13 मिमी बारिश दर्ज की गई है। बारिश होने से गर्मी से राहत तो मिली, लेकिन इसके कई स्थानों पर जलभराव की समस्या देखने को मिली। रामदत्त चौराहा पर दिनेश पीसीओ वाली गली में पानी भर गया।

इसके अलावा रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग पर भी खस्ताहाल सड़क में पानी भरने से लोगों को आने–जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इससे लोग बेहाल दिखे। वहीं, शाम को बादल छाए और झमाझम बारिश हुई। दो बार में एक घंटे हुई बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी। उधर, किसानों के चेहरों पर खुशी नजर आई। हालांकि, शहर के सड़कों पर पानी भर गया। मानसून ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बुधवार को ही दस्तक दे दी थी। उम्मीद जताई जा रही थी कि जिले में भी बारिश होगी और हुआ भी ऐसा ही।

लालपालपुर ने 10 विकेट से जीता नाइट टूर्नामेंट

हरदोई (संवाददाता)। लालपालपुर में आयोजित स्व. तेजेंद्र प्रताप सिंह नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट लालपालपुर की टीम ने जीत लिया। फाइनल मैच में चौके और छक्कों की बारिश देखकर दर्शकों ने तालियां बजाकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया किया। रात आयोजित फाइनल मैच लालपालपुर और सिकंदरपुर के बीच कराया गया। पांच–पांच ओवरों के मैच में सिकंदरपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट खोकर 90 रन बनाए। जवाब में बैटिंग करने उतरी लालपालपुर की टीम ने महज तीन ओवरों में ही बिना विकेट खोए 93 रन बना डाले। इसमें आदित्य सिंह ने 15 गेंदों में सात छक्कों की मदद से 52 रन बनाकर अपनी टीम को टूर्नामेंट का विजेता बना दिया। विजेता टीम को लालपालपुर चौकी प्रभारी सुनील कुमार ने ट्राफी व 21 हजार रुपये का प्रतीकात्मक चेक सौंपा। विजेता टीम के कप्तान उदयराज ने टीम के खिलाड़ी सूरज, सौरभ, नैमिष, विकास, अभिषेक, सुशील, अमन आदि के साथ जीत का जश्न मनाया।

हरदोई स्टेशन पहुंचे डीआरएम ने की निर्माण कार्यों की समीक्षा

हरदोई (संवाददाता)। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ने बृहस्पतिवार की शाम को हरदोई रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। बालामऊ से सीतापुर की ब्रांच रेलवे इन के स्टेशनों का निरीक्षण के बाद शाम को स्थानीय स्टेशन पहुंचे और निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने निर्माण में तेजी लाने और कार्य के समय यात्रियों के आवागमन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। मुरादाबाद मंडल रेल प्रबंधक राज कुमार सिंह शाम को साढ़े पांच बजे के बाद स्थानीय स्टेशन पर पहुंचे। बालामऊ से सीतापुर जाने वाली ब्रांच रेलवे लाइन पर मिश्रिख स्टेशन तक निरीक्षण किया और मुरादाबाद वापस जाते हुए स्थानीय स्टेशन का निरीक्षण किया। अपने विशेष शटल से हरदोई स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार पर उतरे। प्लेटफार्म नंबर एक पर आकर उन्होंने निर्माण कार्यों के संबंध में संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। डीआरएम ने प्लेटफार्म नंबर एक पर आरपीएफ थाने के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया। प्लेटफार्म एक पर प्रस्तावित कार्यों को पूरा कराने में तेजी लाने के निर्देश दिए और कहा कि निर्माण को कराने में सावधानी बरतें।

यात्री लगातार आवागमन करते हैं ऐसे में कोई चुटहिल न हो इसका ध्यान रखे। स्टेशन मास्टर रूम, टिकट काउंटर, गार्ड रूम और प्रतीक्षालय का निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिए। इस दौरान सीएमआई अंबुज मिश्रा, स्टेशन अधीक्षक नरसी लाल मीणा समेत रेल अधिकारी मौजूद रहे।

एआई पाठ्यक्रम होगी शामिल : आईजी

सीतापुर (संवाददाता)। शहर की पुलिस लाइन में बुधवार शाम आईजी रेंज लखनऊ तरुण गाबा आए। उन्होंने मातहतों के साथ बैठक करने के बाद मंगलवार को आए प्रशिक्षणाधीन आरक्षियों से संवाद किया। इसके साथ ही प्रशिक्षु बैरक, भोजनालय, आवासीय कक्ष, मनोरंजन कक्ष व पीटी ग्राउड आदि स्थलों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने मातहतों को निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान साफ–सफाई, भोजन की गुणवत्ता, पेयजल आपूर्ति, आवासीय सुविधाओं, प्रशिक्षण व्यवस्था व बुनियादी सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। आईजी तरुण गाबा ने बताया कि एआई जैसी तकनीक को आरक्षियों के पाठ्यक्रम में रखने के साथ ही प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके लिए अलग से लोगों को भी तैनात किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षुओं को बेहतर प्रशिक्षण मिले, यही सरकार की मंशा है।

पशु तस्करों ने पुलिस पर किया पथराव, एक दारोगा- सिपाही घायल, देर रात की घटना

गोरखपुर (संवाददाता)। गुलरिहा थाने के दरोगा अजीत कुमार और दीवान मोहसिन संगम चौराहे के पास गश्त पर थे। सामने पुलिस को देखकर पशु तस्करों ने गाड़ी पर पथराव शुरू कर दिया। गुलरिहा इलाके के संगम चौराहा के पास बुधवार की रात पशु तस्करों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसमें एक दरोगा और एक सिपाही घायल हो गए। दोनों का बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। वहीं, पशु तस्कर मौके से भाग हो गए। जानकारी के अनुसार, शाहपुर पुलिस बुधवार की रात एक बजे के करीब पशु तस्करों का पीछा कर रही थी। उसी समय गुलरिहा थाने के दरोगा अजीत कुमार और दीवान मोहसिन संगम चौराहे के पास गश्त पर थे। सामने पुलिस को देखकर पशु तस्करों ने गाड़ी पर पथराव शुरू कर दिया। साथ ही गाड़ी में ठोकर मारकर भाग गए। पत्थर लगने से दरोगा के सिर में चोट आई है। दोनों का बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। गुलरिहा थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि घायलों का इलाज चल रहा है। मामले की जांच की जा रही है। गुलरिहा इलाके के संगम चौराहा के पास बुधवार की रात पशु तस्करों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसमें एक दरोगा और एक सिपाही घायल हो गए। दोनों का बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। वहीं, पशु तस्कर मौके से भाग हो गए। जानकारी के अनुसार, शाहपुर पुलिस बुधवार की रात एक बजे के करीब पशु तस्करों का पीछा कर रही थी। उसी समय गुलरिहा थाने के दरोगा अजीत कुमार और दीवान मोहसिन संगम चौराहे के पास गश्त पर थे। सामने पुलिस को देखकर पशु तस्करों ने गाड़ी पर पथराव शुरू कर दिया। साथ ही गाड़ी में ठोकर मारकर भाग गए। पत्थर लगने से दरोगा के सिर में चोट आई है।

तिहरे हत्याकांड में कोर्ट ने 12 दोषियों को सुनाई उम्रकैद की सजा,

सीतापुर (संवाददाता)। यूपी के सीतापुर में बृहस्पतिवार को प्रधान के चुनावी रंजिश में हुए तिहरे हत्याकांड मामले में फैसला आ गया। कोर्ट ने 12 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। दोषियों पर 7.20 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। घटना महोली की बड़ागांव चौकी में 25 जून 2015 को मारपीट के बाद हुई थी। बड़ागांव पुलिस चौकी के सामने प्रधान प्रत्याशी जितेंद्र सिंह, उनके सहयोगी सुंदर लाल व लालजी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसमें बड़ागांव निवासी तत्कालीन प्रधान हरिवंश सिंह उर्फ भूरे, समर्थक रामअवतार, अनूप सिंह, मुन्ना सिंह, धर्मेंद्र सिंह, सतीश सिंह, प्रदीप सिंह, रामगोपाल सिंह, राजेंद्र सिंह, मुकेश सिंह, सतेंद्र सिंह व रामकुमार को नामजद किया गया। दो जुलाई 2015 को शहर कोतवाली ने हरिवंश सिंह व राजेंद्र सिंह को तमंचे के साथ गिरफ्तार कर लिया। करीब दस वर्ष बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या 2–महेंद्र सिंह चतुर्थ ने साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर सजा सुनाई।

नौकरी लगते ही छोड़ा पति : युवक विदेश में कमाता रहा... पत्नी के नाम खरीदी जमीन, वह किसी और के प्यार में छोड़ गई

गोरखपुर (संवाददाता)। पत्नी को सरकारी नौकरी दिलाने के लिए एक व्यक्ति कई वर्षों तक परिवार से दूर सऊदी अरब में कमाता रहा। वहां से रुपये भेजता था तो परिवार का खर्च और पत्नी पढ़ाई करती थी। कुछ रुपये बचाए तो पत्नी के नाम से ही जमीन खरीदी। अब एक विभाग में लिपिक बनने के बाद पत्नी को दूसरे व्यक्ति से प्यार हो गया है। वह पति को छोड़कर चली गई और जमीन भी बेच दी। आरोप है कि एक दिन सास–ससुर से मारपीट भी कर ली, जिसके बाद पति की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पिपराइच क्षेत्र में एक व्यक्ति ने पुलिस को पत्र देकर शिकायत की है। सीओ चौरीचौरा को इसकी जांच सौंपी गई है। पीड़ित ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से सऊदी अरब में रहकर नौकरी करता था। पत्नी को पढ़ाता था कि उसकी सरकारी नौकरी लग जाए। इसके बाद वह अपने देश में आकर कुछ व्यापार कर लेगा। परिवार के खर्च के अलावा वह पत्नी की पढ़ाई के लिए भी रुपये भेजता था। उसका 14 वर्ष का एक बेटा भी है। उसने बताया कि कुछ बचत कर उसने पत्नी के नाम पर जमीन भी खरीदी। कुछ समय पहले पत्नी एक सरकारी विभाग में लिपिक बन गई। इसी दौरान उसे दूसरे व्यक्ति से प्रेम हो गया। कुछ दिन बाद पति भी सऊदी अरब से वापस आ गया। घर में ही उसने एक किराने की दुकान खोल ली। आरोप है कि कुछ दिनों पहले पत्नी उसे छोड़कर चली गई। पत्नी ने खरीदी गई जमीन बेचकर रुपये अपने पास रख लिए। अब कोर्ट में भी उसने तलाक के लिए अर्जी दी है। यह भी आरोप लगाया कि एक दिन वह दुकान में आई और सास–ससुर से मारपीट की। पति ने कहा कि वह तलाक नहीं चाहता। एसपी नॉर्थ जितेंद्र श्रीवास्तव के पास शिकायत आने पर उन्होंने सीओ चौरीचौरा को मामले की जांच सौंपी है। एसपी नॉर्थ ने कहा कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। गोला क्षेत्र का एक युवक 24 मई को पत्नी पर धोखा देने का आरोप लगाकर मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया था। उसने आरोप लगाया कि पत्नी उसे धोखा दे रही है। खेत बेच कर पत्नी को गोरखपुर से नर्सिंग कोर्स कराया। उसके बाद नीट की तैयारी कराई, रेलवे की परीक्षा भी दिलाई। जब रेलवे में भी सफलता नहीं मिली तो वह गोरखपुर के एक निजी अस्पताल में नौकरी करने लगी। फिर वहीं पर किराए के मकान में रहने लगी। जबकि युवक घर से खाने–पीने का सामान गोरखपुर के क्वार्टर पर पहुंचाता रहा। युवक ने बताया कि एक सप्ताह पहले अयोध्या में श्रीरामलला का दर्शन करने गया था। वहां से देर रात गोरखपुर के क्वार्टर पर पहुंचा तो कमरे में बाहर से ताला लगा मिला। मकान मालिक से ताला खुलवाकर अंदर दाखिल हुआ तो पत्नी किसी अन्य युवक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में मिली। जब दोनों से सवाल–जवाब किया तो पकड़ा गया युवक वहां से भाग निकला।

नीमास्त्र बनाने का दिया प्रशिक्षण

सीतापुर (संवाददाता)। नौवापुर स्थित पंचायत भवन में बुधवार को किसानों को प्राकृतिक खेती करने के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान किसानों को प्राकृतिक कीटनाशक नीमास्त्र बनाए जाने की विधि का प्रशिक्षण दिया गया। सहायक विकास अधिकारी कृषि राजकुमार वर्मा ने खेतों को रसायनिक खादों से मुक्त रखने के लिए नीमास्त्र, धतूरा, गोमूत्र, छाछ और तांबा का मिश्रण अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह जैविक कीटनाशक न केवल फसलों को कीटों से बचाता है बल्कि मिट्टी को भी पोषित करता है। उन्होंने किसानों को बताया कि रसायन मुक्त खेती अपनाएं और फसलों को स्वस्थ व सुरक्षित बनाएं। उन्होंने किसानों को जीवामृत, घनजीवामृत बनाने की विधि के बारे में भी बताया।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में सीएमआईएस पोर्टल पर निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक सम्पन्न

श्रावस्ती, 20 जून, 2025। सू0वि0। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त विभागीय अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं के साथ सीएमआईएस पोर्टल पर निर्माण कार्यो की प्रगति समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सी0एम0आई0एस0 पोर्टल पर एक करोड से अधिक लागत के निर्माण कार्यो की गहन समीक्षा की गई। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जो भी परियोजनाएं शत–प्रतिशत पूर्ण हो चुकी है, उन्हें हैण्डओवर कराये जाने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने एक वर्ष से अधिक लम्बित परियोजनाओं को तेजी लाकर पूरा कराने के निर्देश दिये।

उन्होंने सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि विलम्बित व निर्माणधीन परियोजना को जल्द पूरा किया जाय। सभी विभाग धन आवंटन के लिए यूसी भेजवाए जिससे निर्माणधीन कार्य को जल्द पूरा किया जा सके तथा हर महीने धन आंवटन की मांग करते रहे। सीएमआईएस पोर्टल पर समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि जिले की रैकिंग खराब न होने पाये। सीडीओ ने जल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया कि पाइप पेयजल योजना को जल्द से जल्द हैण्ड ओवर किया जाय। उन्होंने 01 करोड़ से ऊपर महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिया कि नई परियोजनाओं का नामांकन किया जाय तथा विगत दिनों प्रभारी मंत्री के भ्रमण में सेतु निगम की परियोजनाओं में जो दिशा–निर्देश दिये गये थे उस परियोजनाओं को भी जल्द से जल्द पूर्ण कराया जाय। इसके अलावा उन्होंने ग्राम्य विकास विभाग, राजकीय पालीटेक्निक, सीएनडीएस, राजकीय पौधशाला इत्यादि बिन्दुओं की भी समीक्षा की।

बैठक में जल निगम, लोक निर्माण विभाग, सी0एन0डी0एस0, यू0पी0पी0सी0एल0, यू0पी0आर0एन0एस0एस0 सहित अन्य कार्यदायी संस्थाओं द्वारा जनपद में निर्माणाधीन कार्यो में तेजी लाकर पूरा कराने हेतु मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिये। उन्होने निर्देश दिया कि जिन कार्यदायी संस्थाओं द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है, उन्हें तय समय–सीमा में पूरा कराकर हैण्डओवर करने की कार्यवाही करें।

इस अवसर पर जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अजय कुमार यादव, जिला विकास अधिकारी रामसमुझ, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग के0पी0 मिश्र सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगणद्ध कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पी0जी0आई0 रैंकिंग में जनपद श्रावस्ती को प्रदेश में मिला पाचवां स्थान-जिलाधिकारी

श्रावस्ती, 20 जून, 2025। सू0वि0। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एव साक्षरता विभाग द्वारा तैयार रिर्पोट के अनुसार पीजीआइ अर्थात प्रदर्शन ग्रडिंग सूचकांक के श्रेणीकरण में जिलों की शैक्षिक उपलब्धि में जनपद श्रावस्ती को प्रदेश में पाचवां स्थान प्राप्त हुआ है। जनपदों का श्रेणीकरण कुल 06 सूचकांकों पर आधारित है जिसमें बच्चों का लर्निंग आउटकम परिणाम, प्रभावी कक्षा सहभागिता, बुनियादी ढांचा सुविधाएं और छात्रों के अधिकार, स्कूल सुरक्षा और बाल संरक्षण, डिजिटल लर्निंग और शासन प्रक्रिया शामिल हैं। वर्ष 2022–23 में बच्चों की शैक्षिक प्रगति अंतर्गत लर्निंग आउटकम हेतु अधिकतम अंक 290 के सापेक्ष 87, प्रभावी कक्षा सहभागिता हेतु अधिकतम अंक 90 के सापेक्ष 51, बुनियादी ढांचा सुविधाएं और छात्रों के अधिकार हेतु अधिकतम अंक 51 के सापेक्ष 24, स्कूल सुरक्षा और बाल संरक्षण हेतु अधिकतम अंक 35 के सापेक्ष 24, डिजिटल लर्निंग हेतु अधिकतम अंक 50 के सापेक्ष 8 तथा शासन प्रक्रिया के अधिकतम अंक 84 के सापेक्ष 56 अंक जनपद को प्राप्त हुए हैं जो निश्चित रूप से जनपद का उल्लेखनीय प्रयास है। इसी प्रकार वर्ष 2023–24 में बच्चों की शैक्षिक प्रगति अंतर्गत लर्निंग आउटकम हेतु अधिकतम अंक 290 के सापेक्ष 94, प्रभावी कक्षा सहभागिता हेतु अधिकतम अंक 90 के सापेक्ष 59, बुनियादी ढांचा सुविधाएं और छात्रों के अधिकार हेतु अधिकतम अंक 51 के सापेक्ष 26, स्कूल सुरक्षा और बाल संरक्षण हेतु अधिकतम अंक 35 के सापेक्ष 20, डिजिटल लर्निंग हेतु अधिकतम अंक 50 के सापेक्ष 9 तथा शासन प्रक्रिया के अधिकतम अंक 84 के सापेक्ष 38 अंक जनपद को प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कुल अधिकतम अंक 600 के सापेक्ष वर्ष 2022–23 में 249 एवं 2023–24 में 246 अंक जनपद को प्राप्त हुए हैं।

उक्त जानकारी जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने इस उपलब्धि के संबंध मे दीं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सूचकांक में सुधार के लिए प्रत्येक स्तर से प्रयास किये गये हैं जिसमें जनपद के सभी 984 स्कूलों में फर्नीचर की व्यवस्था के साथ ही साथ 594 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास तथा 25 विद्यालयों में स्मार्ट सेन्टर, 05 ब्लाक संसाधन केन्द्रों तथा 75 विद्यालयों में आई0सी0टी0 लैब तथा 02 विद्यालय मे डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना करायी गयी है। जनपद के 984 विद्यालयों के सापेक्ष 982 विद्यालय अवस्थापना सुविधा के 16 पैरामीटर से संतृप्त किये गये हैं, इस प्रकार प्रत्येक स्तर पर बेहतर प्रयास के फलस्वरूप बच्चों के नामांकन, विद्यालय में ठहराव तथा लर्निंग आउटकम में अपेक्षित परिणाम प्राप्त होने के साथ ही भौतिक सुविधाओं की पूर्णता के कारण बच्चों को बेहतर भौतिक वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर भी प्राप्त हो रहा है। अभी भी कुछ संकेतांकों के सापेक्ष बेहतर प्रयास की आवश्यकता है जिस हेतु बेसिक शिक्षा विभाग तथा अन्य विभागों के आपसी सामंजस्य से विद्यालयों को बेहतर बनाने का प्रयास होगा तथा बच्चों के लर्निंग आउटकम में अपेक्षित सुधार के लिए रणनीति बनाकर कार्य किया जायेगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को जिले में विभिन्न स्थानों पर आयोजित होगे योगाभ्यास कार्यक्रम

जिला मुख्यालय, तहसील मुख्यालय, ब्लाक मुख्यालय एवं ग्राम पंचायतों में भी होगा योगाभ्यास कार्यक्रम

श्रावस्ती, 20 जून, 2025। सू0वि0। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया है कि 21 जून को आयोजित होने वाले 11वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम के सफल आयोजन के सम्बन्ध में विभागीय अधिकारियों को विस्तृत दिशा–निर्देश दिये गये है। जिलाधिकारी ने बताया है कि दिनांक 21.06.2025 को स्पोर्ट्स स्टेडियम भिनगा, श्रावस्ती तथा जगतजीत इन्टर कालेज, इकौना श्रावस्ती में ष्यारहवां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवसष के मुख्य कार्यक्रम का आयोजन होगा। योगाभ्यास कार्यकम में पंचायती राज विभाग, ग्राम विकास विभाग एवं नगर विकास विभाग की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी। समस्त ग्राम पंचायतों एवं नगर निकायों में संम्बन्धित जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। कार्यकम के एक दिन पूर्व सभी ग्राम पंचायतों तथा नगर निकायों में स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा तथा समस्त पुलिस थाना, पुलिस लाइन, पुलिस चौकी व सीमा सुरक्षा बल 62वीं बटालियन में भी योगाभ्यास का कार्यक्रम किया जायेगा।

जनपद के समस्त प्राथमिक विद्यालय, उच्च माध्यमिक विद्यालय, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, तकनीकी शिक्षण संस्थानों एवं आवासीय विद्यालयों को 21.06.2025 से एक दिन पूर्व खुलवाकर समुचित साफ–सफाई व्यवस्था करवाकर अन्तराष्ट्रीय योग दिवस में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन कर छात्रोंध्छात्राओं के मध्य मिष्ठान, फल एवं शुद्ध पेयजल का वितरण किया जायेगा। तकनीकी शिक्षण संस्थानों, कृषि महाविद्यालयों, उच्च शिक्षा महाविद्यालयों में अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास कार्यक्रम प्रातः 06रू00 से 08रू00 बजे तक निर्धारित योग प्रोटोकॉल कार्यक्रम तथा पूर्वाहन्न 11रू00 से 01रू00 बजे अपराहन्न तक सेमिनार, आशु भाषण, निबन्ध लेखन एवं योगासन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। जिसकी फोटो तथा संख्या का विवरण आयुष कवच ऐप ध् उलहवअ.पद च्वतजंस पर अपलोड किया जायेगा। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ध् सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ध् हेल्थ वेलनेस सेन्टर्स एवं संयुक्त जिला चिकित्सालय को भी इस कार्यक्रम से जोड़ा जायेगा। वहीं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न कराने हेतु प्रशिक्षकों की भी मुकम्मल व्यवस्था रखने का निर्देश दिया है।

जिलाधिकारी ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जिले के माननीय जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, वरिष्ठ नागरिकों, प्रेस–प्रतिनिधियों, छात्र–छात्राओं, स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं जनपद वासियों से योगाभ्यास कार्यक्रम में शिरकत करने की अपील की है। ताकि जिले में विश्व योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले योग दिवस कार्यक्रम के दिन योगाभ्यास से अधिक से अधिक लोगो को जोड़कर कार्यक्रम को सफल बनाया जा सके।

शासन के निर्देश की अवहेलना करने पर २१आगंनबाडी कार्यकत्रियों का मानदेय रुका, और सेवा समाप्ति की चेतावनी भी दी गई है।

उतरौला बलरामपुर

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पंजीकृत गर्भवती धात्री व बच्चों का शत प्रतिशत चेहरा प्रमाणीकरण कार्य में लापरवाही बरतने पर आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के विरुद्ध कार्यवाही शुरू कर दी गई है। विकास खण्ड के 21 कार्यकत्रियों के विरुद्ध मानदेय रोकने की कार्यवाही की गई है। इन कार्यकत्रियों ने शासन के आदेश की अवहेलना करते हुए बायो मेट्रिक ई केवाइसी शुरू नहीं की है। बाल विकास परियोजना के अधिकारी अशोक कुमार चौहान ने बताया कि इन कार्यकत्रियों को चेतावनी भी दी गई है कि यदि चेहरा प्रमाणी करण की कार्यवाही तीस जून तक पूरी नहीं की गई, तो इन सभी कार्यकत्रियों की सेवा समाप्ति कर इनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। प्रमुख सचिव बाल विकास एवं पुष्टा हार के द्वारा निर्देश दिया गया था, कि आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पंजीकृत सभी लाभा र्थियों का पोषण ट्रैकर मोबाइल एप्लीकेशन पर आधार एवं फेस कैप्चर के माध्यम से चेहरा प्रमाणीकरण का कार्य कराया जाए। लेकिन अमया देवरिया की मुमताज रिजवी बन कटवा की अनीश बानो रेहरा माफी की कुसुम पति, महिला की राजे श्वरी, मोहम्मद नगर की नीतू सिंह व इंद्रावती, सकरा बेदौला की संजू देवी, राधा देवी, टेढ़वा ऐमा की शहाना,महमूदा बाद की मांडवी दुबे, मानापार बहेरिया की मंजू व आसमा बेगम, सकड़रिया की ममता देवी, बभनी बुजुर्ग की रंजीशा व अनीता देवी, फत्तेपुर की जुबेदा, मिलौली की उग्रमती, रैगावघ की शैला बानो व मीता यादव, तथामहुआ धनी की आशा गुप्ता व सूर्य मुखी का मानदेय रोकने के साथ सेवा समाप्त करने की चेतावनी भी जारी की गई है।

एक सप्ताह में मलेरिया के 20 मरीज मिले

सीतापुर (संवाददाता)। जिले में मलेरिया का प्रकोप धीरे–धीरे बढ़ रहा है। एक सप्ताह के अंदर जिला अस्पताल में 20 मरीज मलेरिया से संक्रमित मिले। वहीं, बुधवार को तीन मरीज मिलने पर प्राथमिक इलाज शुरू कर दिया गया। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. गौरव मिश्रा बताते हैं कि मलेरिया के मरीजों को जाड़ा लगकर बुखार आता है। यह पांच से सात दिन तक रहता है। इस दौरान मरीजों को चिकित्सकों के अनुसार दवाएं लेने व आराम करने की सलाह दी जाती है। इधर, मई व जून में मलेरिया के मरीज सामने आ रहे हैं। जिला अस्पताल में इन मरीजों के लिए निशुल्क जांच व इलाज की सुविधा उपलब्ध है। बुधवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में करीब 1900 मरीज पहुंचे।

गलती पर माफी मांगना और मददगारों को धन्यवाद देना सीखेंगे प्रशिक्षु सिपाही, राजनीतिक टिप्पणी नहीं कर सकेंगे

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पुलिस का हिस्सा बनने जा रहे सिपाही प्रशिक्षण के दौरान गलती पर माफी मांगना और मदद पर धन्यवाद देना भी सीखेंगे। प्रशिक्षण के दौरान सिपाहियों को खेद प्रकट करना भी सिखाया जाएगा।

उदाहरण के तौर पर तलाशी लेने से पूर्व या गिरफ्तारी के समय क्षमा करिएगाध्माफ करिएगा इत्यादि संबोधन उचित होता है। साथ ही नागरिकों द्वारा किए गए किसी सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद देने का अभ्यास कराया जाएगा। वहीं, सोशल मीडिया पर सियासी टिप्पणी नहीं कर सकेंगे। इसे अनुशासनहीनता मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही कोई अनैतिक टिप्पणी और हड़ताल या प्रदर्शन के लिए उकसाने वाले संदेश जारी करने पर भी एक्शन लिया जाएगा। इसके तहत सत्र से निलंबन और निष्कासन और सेवा से हटाए जाने तक की कार्रवाई हो सकती है। आरक्षी नागरिक पुलिस (सीधी भर्तीध्मृतक आश्रित) आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के नियमों के मुताबिक नवचयनित सिपाही अपने पूर्व आपराधिक इतिहास को छुपाने के दोषी पाए जाने पर सेवा से बर्खास्त कर दिए जाएंगे। इसी तरह प्रशिक्षण संस्थान के संकाय सदस्यों, स्टाफ, कर्मचारियों पर हमला, अभद्र एवं अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना, अनुशासनहीनता और अवज्ञा करने के लिए उकसाना, शराब या मादक पदार्थों का सेवन करने पर भी उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हटाने तक की कार्रवाईरू बता दें कि जो सिपाही इन कार्यों के दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ उप्र अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की (दंड और अपील) नियमावली, 1991 के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। संस्था के प्रमुख द्वारा आरोपों की जांच सात दिन में पूरी कराई जाएगी। इसकी रिपोर्ट पूरा डीजी ट्रेनिंग को भेजी जाएगी। यदि संस्था प्रमुख की राय में उसका अपराध सिपाही के पद पर नियुक्त करने के योग्य न हो तो इसकी रिपोर्ट डीजी ट्रेनिंग के माध्यम से डीजीपी तक भेजी जाएगी। इसके तहत प्रशिक्षण सत्र से निलंबन, निष्कासन और सेवा से हटाने तक की कार्रवाई हो सकती है। आत्मसम्मान का भी रखना होगा ध्यान रू प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षकों को सिपाहियों के आत्मसम्मान का भी ध्यान रखना होगा,

ताकि उनमें हीनभावना न पनपने पाए और सेवा में आने पर वह नागरिकों के साथ भी सम्मानपूर्वक व्यवहार करें। इसके अलावा प्रशिक्षुओं को अपने कृत्यों की जिम्मेदारी लेने का साहस पैदा किया जाएगा। साथ ही नागरिकों द्वारा किए गए किसी सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद देने का अभ्यास कराया जाएगा।

वहीं, सोशल मीडिया पर सियासी टिप्पणी नहीं कर सकेंगे। इसे अनुशासनहीनता मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। साथ ही कोई अनैतिक टिप्पणी और हड़ताल या प्रदर्शन के लिए उकसाने वाले संदेश जारी करने पर भी एक्शन लिया जाएगा।

फर्म संचालक ने कमाने के चक्कर में गंवा दिए 2.6 करोड़

लखनऊ (संवाददाता)। संत कबीर नगर के बरई पार बधौली निवासी जालसाज अंगद चौहान ने रियल एस्टेट फर्म संचालक सुशांत गोल्फ सिटी निवासी विजय बहादुर व उनके साझेदार को क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर डॉलर कमाने का झांसा देकर उनसे 2.6 करोड़ की ठगी कर ली। पीड़ितों ने साइबर क्राइम थाने में धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की धारा में एफआईआर दर्ज कराई है। विजय के मुताबिक, जनवरी 2023 में उन्हें व्हाट्सए पर मेसेज भेजकर अंगद ने बिग विजन सर्विस कंपनी की योजना के बारे में बताया। उसने कहा कि कंपनी लखनऊ बेस्ड है, जो क्रिप्टो करेंसी में निवेश कराती है। बदले में हर माह तीन प्रतिशत डॉलर में मुनाफा देती है। अंगद ने कहा कि कंपनी एनफटीजेड स्पेस बिट क्वाइन लॉन्च कर रही है। झांसे में आए विजय ने साझेदार विनय को कंपनी की योजना के बारे में भी बताया और दोनों ने अंगद के जरिये कंपनी में जनवरी 2023 से दिसंबर 2024 तक टुकड़ों में 2.6 करोड़ निवेश कर दिए।

अखिलेश यादव बोले- सच सामने लाने के लिए उच्चस्तरीय जांच की जाए

लखनऊ (संवाददाता)। कानपुर के जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह पर अभद्र टिप्पणी करने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के मामले में सीएमओ हरिदत्त नेमी को निलंबित किया जा चुका है। मामले पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल साइट एक्स पर बयान जारी करते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि ईमानदार ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सकता है। कानपुर के क्ड बनाम ब्डव् के बीच की टकराहट का सच सामने लाने के लिए एक उच्चस्तरीय, निष्पक्ष जांच बैठाई जाए। कानपुर के जिलाधिकारी ने नेमी पर वित्तीय अनियमितता करने, अस्पतालों से वसूली करने के गंभीर आरोप लगाते हुए सीएम को पत्र लिखा था। जिसको संज्ञान में लेकर कार्रवाई के साथ इनके खिलाफ विजिलेंस जांच भी शुरू हो गई। सीएमओ को महानिदेशालय लखनऊ से संबद्ध कर दिया गया है। श्रावस्ती के एसीएमओ डॉ. उदय नाथ को कानपुर का नया सीएमओ बनाया गया है। वहीं, डॉ. हरिदत्त नेमी हाईकोर्ट जाने की तैयारी में हैं। स्वास्थ्य विभाग की सचिव रितू माहेश्वरी की ओर से बृहस्पितवार को निलंबन आदेश जारी किया गया।

निलंबन आदेश जारी होते ही सीएमओ ने अपने कैंप कार्यालय से प्रेस वार्ता कर डीएम पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनसे पैसा चाहते थे, सिस्टम में आने की सलाह देते रहे। जब हम उनके सिस्टम में नहीं आए तो निलंबन की संस्तुति कर दी। उन्होंने कहा, 16 दिसंबर 2024 को कार्यभार ग्रहण करने के बाद से डीएम हर बैठक में उन्हें जाति सूचक शब्दों के जरिए उत्पीड़न करते रहे।

गल्ला व्यापारी की दो लोगों ने काटी जेब

हरदोई (संवाददाता)। मंडी से मक्का बेचकर ई–रिक्शा से घर आ रहे गल्ला व्यापारी की दो लोगों ने जेब काटकर 50,000 रुपये निकाल लिए। घटना मल्लावां–संडीला मार्ग पर नयागांव की पेट्रोल पंप के पास हुई। दोनों आरोपी पेट्रोल पंप के पास ई–रिक्शा से उतर गए और पीछे से आई बाइक पर सवार हो गए भाग गए। पुलिस ने पेट्रोल पंप से सीसीटीवी फुटेज लिया है, जिसमें एक बाइक पर तीन लोग जाते दिख रहे हैं। कासिमपुर थाना क्षेत्र के गौसगंज कस्बा के मोहल्ला सदर बाजार निवासी सतीश कुमार गुप्ता गल्ला व्यापारी हैं। बताया कि बृहस्पतिवार की सुबह वह पिकअप डाला से मक्का लेकर माधौगंज मंडी गए थे। आढ़ती के यहां मक्का देने के बाद मिले 50,000 रुपये पैंट की जेब में रख लिए थे। माधौगंज से निजी बस से मल्लावां आए।

बेटी समेत दंपती ट्रैक पर गिरे, पति की मौत

हरदोई (संवाददाता)। तेज रफ्तार मालगाड़ी का झोंका लगने से दंपती और उनकी पुत्री रेलवे ट्रैक पर गिर पड़ीं। लोहे की पटरी सिर में लगने से पति की मौत हो गई। पत्नी और बेटी को सीएचसी अहिरोरी में भर्ती कराया गया है। देहात कोतवाली क्षेत्र के भीठा महासिंह गांव निवासी राकेश (45) खेती करते थे। उनका खेत पड़ोसी गांव बघौली थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव के पास है। खेत से कुछ ही दूरी पर लखनऊ दिल्ली रेलवे ट्रैक भी निकला है। बृहस्पतिवार को राकेश पत्नी संगीता (35) व पुत्री गायत्री (3) के साथ खेत पर काम कर रहे थे।

ग्राम पंचायत-पुरैनिया जाट,वि०ख०-उतरौला , जनपद-बलरामपुर

पत्रांक-मेमो/ग्रा0पं0/निविदा पत्रा0/ दिनांक-19.06.2025

अल्पकालीन निविदा

ग्राम पंचायत पुरैनिया जाट द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 मनरेगा, चतुर्थ राज्यवित्त, चौदहवा वित्त आयोग, आंगनवाड़ी केन्द्र निर्माण, ग्राम पंचायत सचिवालय का निर्माण कार्यों में प्रयुक्त होने वाली सामग्री यथा ईंट, ईंट मिट्टी, मोरंग, सरिया, सीमेन्ट, बालू, इन्टरलाकिंग टाइल्स, पत्थर मिट्टी, साइन बोर्ड, हयूम पाइप, रंग, पेन्ट, बिजली के सामान, सेनेटरी के सामान इत्यादि की आपूर्ति की आवश्यकता है। सामाग्री की आपूर्ति हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता / पंजीकृत फर्मों से निविदा / कुटेशन आमंत्रित किया जाता है। निविदा प्रपत्र तथा विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दिनांक 23/06/2025 को अपराहन 2.00 बजे तक कार्यालय के टेण्डर बाक्स में जमा किया जायेगा। तत्पश्चात् उसी दिन अपराहन 3.00 बजे गठित समिति के समक्ष खोली जायेगी। सामाग्री की मात्रा स्वीकृति प्राक्कलन के अनुसार अलग- अलग होगी। किसी भी निविदा / कुटेशन को स्वीकृत करने का या सम्पूर्ण प्रक्रिया को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा।

ग्राम प्रधान	सचिव
श्रीमती साजिदा	श्री मुकेश कुमार
ग्रा0पं0-पुरैनिया जाट,वि०ख०-उतरौला	ग्रा0पं0-पुरैनिया जाट,वि०ख०-उतरौला
जनपद-बलरामपुर	जनपद-बलरामपुर

यूपी में तबादलों में भ्रष्टाचार : आईजी स्टांप हटाए गए, २१० ट्रांसफर हुए निरस्त, पैसे के लेनदेन की थी शिकायत

लखनऊ (संवाददाता)। स्टांप एवं पंजीयन विभाग में हुए तबादलों में बड़े पैमाने पर पैसे के लेनदेन की शिकायत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ी कार्रवाई करते हुए महानिरीक्षक निबंधक (आईजी स्टांप) समीर वर्मा को हटाकर प्रतिक्षारत कर दिया है। साथ ही उनके द्वारा किए गए सभी 210 तबादलों को भी रद्द कर दिया है। मुख्यमंत्री ने यह कार्रवाई स्टांप एवं पंजीयन राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल की शिकायत पर की है।

जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आईजी स्टांप द्वारा किए गए तबादलों में भ्रष्टाचार की शिकायत की थी। सीएम ने मामले की जांच कराने के भी आदेश दिए हैं। वहीं, स्टांप और परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव अमित गुप्ता को आईजी स्टांप का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। दरअसल, तबादला सीजन में शासन स्तर से 4 उप महानिरीक्षक और 18 सहायक महानिरीक्षकों का तबादला किया गया था। वहीं आईजी स्टांप ने मंत्री से चर्चा किए बिना ही 58 उप निबंधकों के अलावा 114 लिपिकों, 8 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के अलावा 30 नए कर्मचारियों का तबादला कर दिया। रवींद्र जायसवाल ने पत्र में समीर वर्मा पर खुलेआम भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उन्होंने लिखा है कि उन्हें समूह ख एवं ग श्रेणी के 210 अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले में भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी। आईजी ने तमाम भ्रष्ट और जांच से घिरे अधिकारियों को बड़े बड़े जिलों में तैनाती दे दी है। इसके लिए लाखों रुपये के लेनदेन की जानकारी मिली थी। मंत्री ने तबादले में आईजी स्टांप की भूमिका को भी संदिग्ध बताया है। जायसवाल ने पत्र में यह भी लिखा है कि आईजी ने सभी तबादले 13 जून को ही कर दिए थे और खानापूर्ति के लिए 15 जून को मेरे सामने तबादलों की सूची रखी थी।

उन्होंने आरोप लगाया है कि आईजी द्वारा महत्वपूर्ण कार्यालयों में प्रभारी उप निबंधकों और लिपिक से प्रोन्नत उप निबंधकों को मानक के विपरीत तैनात कर दिया है। मंत्री ने लिखा है कि बार–बार मांगने के बाद भी आईजी ने उप निबंधकों की तैनाती का प्रस्ताव उपलब्ध स्टांप एवं पंजीयन मंत्री रवींद्र जायसवाल ने कहा कि आईजी स्तर पर हुए तबादलों में सर्वाधिक गड़बड़ी सामने आई है। मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर स्थानांतरण का आदेश दिया है। लेकिन, बाबुओं और सब रजिस्ट्रार का जो तबादला हुआ, उसके लिए कोई सहमति नहीं ली गई। सूची आने पर सामने आया कि तबादलों में पारदर्शिता नहीं बरती गई। एक इंटर पास बाबू को रजिस्ट्रार बना दिया। इन सभी शिकायतों का मुख्यमंत्री ने संज्ञान लेकर तबादलों पर रोक लगाने के साथ जांच करने का आदेश दिया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्रांसफर रद्द करने पर सोशल मीडिया साइट एक्स पर तंज कसते हुए कहा कि जिसको ट्रांसफर में नहीं मिला हिस्सा। वही राज खोलके सुना रहा है किस्सा। सच तो ये है कि कई मंत्रियों ने ट्रांसफर की फाइल की 'फीस' नहीं मिलने पर फाइल लौटा दी है। सुना तो ये था कि इंजन ईंधन की माँग करता है पर यहां तो डिब्बा तक अपने ईंधन के जुगाड़ में लगा है।

उपभोक्ता की दुनिया
साप्ताहिक हिन्दी दैनिक

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शारदा प्रसाद पाठक द्वारा शंकर प्रिटिंग प्रेस निकट भरत मिलाप चौराहा, नई बाजार भिनगा से मुद्रित तथा ग्राम हन्नामार पोस्ट गिलौला जनपद श्रावस्ती उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक
भगवान दीन पाठक
मो0– 91 94504 54367, 91 96530 13722

सभी विवादो का न्याय क्षेत्र श्रावस्ती होगा।